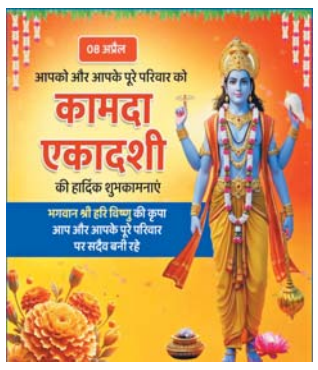

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 243/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर. एन. आई. 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 08 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी रौनक

सेंसेक्स ने 1100 तो निफ्टी ने 300 अंकों की छलांग लगाई

मुंबई। सोमवार को हुई भारी गिरावट के बाद मंगलवार को शेयर बाजार में जबरदस्त रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स ने 1100 अंकों की बढ़त दर्ज की, जबकि निफ्टी 22,500 अंक के स्तर पर खुला। पूरे बाजार में आज तेजी का रहा है और यह साबित हो रहा है कि

भारतीय शेयर बाजार अब फिर से अपनी गति पकड़ चुका है। दोपहर तक सेंसेक्स करीब 1.66 फीसदी की तेजी के साथ 74,3151.56 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ का असर पूरी दुनिया में महसूस हो रहा है, और इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा था। सोमवार को बाजार की हालत बुरी थी, सेंसेक्स 3,000 अंक गिरकर एक नए निम्नतम स्तर पर पहुंच गया था, जो 2024 के चुनावों के बाद से एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट थी। लेकिन मंगलवार को शेयर बाजार ने अपनी दिशा बदली और तेजी से उछलने लगा। सुबह के वक्त ही सेंसेक्स में 1,000 अंकों की बढ़ोतरी हो गई।

मुद्रा योजना के 10 साल पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाभार्थियों से की बातचीत

बड़े पैमाने पर महिलाओं को बढ़ने का मौका मिला

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने 7 लोककल्याण मार्ग स्थित आवास पर मुद्रा योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत और सम्मान किया। उन्होंने मुद्रा योजना के लाभार्थियों से करीब आधे घंटे तक बात भी की और उनके अनुभवों को जाना। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मुद्रा योजना के तहत 33 लाख करोड़ रुपये का गारंटी-मुक्त ऋण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऋण लेने वाले इन 52 करोड़ लोगों में अधिकतर लाभार्थी महिलाएं हैं और दिलचस्प बात यह है कि वे अपने मुद्रा ऋणों का भुगतान जल्द कर देती हैं। उन्होंने कहा, मैं आप सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं कि आप हमारे आवास पर आए। हमारे शास्त्रों में कहा गया कि मेहमान आते हैं तो आपका घर पवित्र होता है। इसलिए मैं आप सभी का स्वागत करता हूं।लाभार्थियों से बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह योजना किसी भी सरकार की आंख खोलने वाली है। कैसे इससे आम लोगों को लाभ हुआ और वे अपने पैरों पर

खड़े हुए, यह अहम बात है। उन्होंने कहा, आप अखबारों में पढ़ते हैं कि यह अमीरों की सरकार है। यदि आप सभी सभी अमीरों का आंकड़ा निकालें तो उन्हें 33 लाख करोड़ रुपये नहीं मिले होंगे। यह रकम देश के आम लोगों को दी गई है। आज भारत के युवा और आंत्रप्रेन्योर स्किल दिखाने वालों को थोड़ी भी मदद मिलती है तो वे बड़े नतीजे देते हैं।

इस स्कीम ने युवाओं को साहस दिया है पैरों पर खड़े होने का

पीएम मोदी ने कहा कि यह योजना मोदी की प्रशंसा के लिए नहीं है। इस स्कीम ने युवाओं को साहस दिया है कि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन लाभार्थियों से मैं बात कर रहा हूं, उन्होंने न सिर्फ खुद को खड़ा किया बल्कि 1 या 2 लोगों को रोजगार भी दिया।

बड़े पैमाने पर रोजगारों का सृजन हुआ

प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे बड़े पैमाने पर रोजगारों का सृजन हुआ है। मुद्रा स्कीम में बड़े पैमाने पर महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका मिला है। महिलाओं ने सबसे ज्यादा लोन अप्लाई किए हैं और पाए भी हैं। उन्होंने लोन तेजी से चुकाए भी हैं। पीएम मोदी से बातचीत के दौरान कई लाभार्थियों ने बताया कि कैसे उन्होंने कारोबार खड़ा किए और आज वे सफल हैं। केरल के आंत्रप्रेन्योर ने बताया कि वह आज दुबई में काम करते हैं, लेकिन उन्होंने मुद्रा योजना के चलते ही इतनी बड़ी सफलता मिली।

तमिलनाडु गवर्नर ने 10 बिल रोके, सुप्रीम कोर्ट ने अवैध बताते कहा- बिल रोकना मनमानी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार को मंगलवार को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध बताया है। कोर्ट ने कहा कि यह मनमाना कदम है और कानून के नजरिए से सही नहीं। राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को मदद और

सलाह देनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्यपाल को एक दोस्त, दार्शनिक और राह दिखाने वाले की तरह होना चाहिए। आप संविधान की शपथ लेते हैं। आपको किसी राजनीतिक दल की तरफ से संचालित नहीं होना चाहिए। आपको उत्प्रेरक बनना चाहिए, अवरोधक नहीं। राज्यपाल को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कोई बाधा पैदा न हो। सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की तरफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई थी। इसमें कहा गया था कि राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य के जरूरी बिलों को रोककर रखा है। बता दें कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में काम कर चुके पूर्व आईपीएस अधिकारी आरएन रवि ने 2021 में तमिलनाडु के राज्यपाल का पद संभाला था।

बिलों को दोबारा राज्यपाल को भेजे जाने के दिन से मंजूर माना जाएगा

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि राज्यपाल द्वारा इन 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजना अवैध और मनमाना है। यह कार्रवाई रद्द की जाती है। राज्यपाल की सभी कार्रवाई अमान्य है। बेंच ने कहा कि राज्यपाल रवि ने भले मन से काम नहीं किया। इन बिलों को उसी दिन से मंजूर माना जाएगा, जिस दिन विधानसभा ने बिलों को पास करके दोबारा राज्यपाल को भेजा था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को निर्देश दिया कि उन्हें अपने विकल्पों का इस्तेमाल तय समय-सीमा में करना होगा, वरना उनके उठाए गए कदमों की कानूनी समीक्षा की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल बिल रोकें या राष्ट्रपति के पास भेजें, उन्हें यह काम मंत्रिपरिषद की सलाह से एक महीने के अंदर करना होगा। विधानसभा बिल को दोबारा पास कर भेजती है, तो राज्यपाल को एक महीने के अंदर मंजूरी देनी होगी। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि वह राज्यपाल की शक्तियों को कमजोर नहीं कर रहा, लेकिन राज्यपाल की सारी कार्रवाई संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों के अनुसार होनी चाहिए।

मोहन कैबिनेट की बैठक

ग्वालियर-सागर वायपास की सौगात मिली, 21 अप्रैल तक 7.28 लाख मैट्रिक टन चना खरीदेगी सरकार

11 अप्रैल को अशोकनगर आएंगे प्रधानमंत्री, 13 को शाह भोपाल

भोपाल। मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि भारत सरकार की ओर से प्रदेश को 4 हजार करोड़ से अधिक की सौगातें मिली हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के अंतर्गत चार कार्यों की स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत 1426 करोड़ की लागत से बनने वाला 28.5 किलोमीटर लंबा ग्वालियर पश्चिमी बाईपास और 688 करोड़ की लागत से बनने वाला सागर बाईपास शामिल है। वहीं किसानों को अपनी उपज का सही दाम मिले। इसलिए चना, मसूर, सरसों, तुअर का उपार्जन प्रारंभ किया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य 5200 प्रति क्विंटल की दर पर 7.28 लाख मैट्रिक टन चने का उपार्जन 21 अप्रैल तक किया जाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 अप्रैल को अशोकनगर जिले में

स्थित श्री आनंदपुर ट्रस्ट आश्रम आ रहे हैं। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 13 अप्रैल को भोपाल में रहेंगे। शाह की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और राज्य शासन एवं दुग्ध संघों के बीच अनुबंध हस्ताक्षर किया जाएगा। यह कार्यक्रम रवीन्द्र भवन में होगा। मंगलवार को मंत्रिपरिषद की बैठक शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह जानकारी मंत्रि परिषद के सदस्यों को दी। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने बताया कि 10 अप्रैल को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी धार जिले में बदनावर से प्रदेश के विभिन्न मार्गों का लोकार्पण और भूमि पूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 13 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश की सहकारिता गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी, तो 12,13,14 अप्रैल को दिल्ली स्थित लाल किले में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति होगी। एग्रोविजन के अंतर्गत मंदसौर, दमोह , मुरैना, नरसिंहपुर में इस वर्ष के प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं।

राजमार्गों की मंजूरी के लिए आपसी संवाद में कोई कमी न रखें

इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रगतिरत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में कहा कि सड़क विकास के काम में हम किसी से भी पीछे न रहें। अधिक यातायात वाले राजमार्गों को राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार से समन्वय करें। आपसी संवाद में कोई कमी न रखें, ताकि राजमार्गों की मंजूरी और निर्माण के कामों को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। डॉ. यादव ने कहा कि राजमार्ग परियोजनाओं से जुड़े भू-अधिग्रहण के लंबित मामले आपसी वार्ता से शीघ्र सुलझाए जाएं। उज्जैन शहर में बाबा महाकाल मंदिर के पास से एक एलिवेटेड रोड बनाया जा सकता है, जो रेलवे स्टेशन को सीधा कनेक्ट करे। इससे महाकाल दर्शन के लिए देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का बेहतर तरीके से यातायात प्रबंधन किया जा सकेगा।

'न्यायपथ' थीम के साथ कांग्रेस का अधिवेशन

गुजरात में 64 साल बाद कांग्रेसियों का बड़ा मंथन

अहमदाबाद। कांग्रेस पार्टी का 84वां अधिवेशन आज से अहमदाबाद गुजरात में शुरू हो गया है। यह दो दिवसीय आयोजन 8 और 9 अप्रैल को आयोजित होगा जो गुजरात में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पार्टी प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, और सीडब्ल्यूसी के वरिष्ठ सदस्य शामिल होंगे। पार्टी के वरिष्ठ

की राजनीतिक धरती पर कांग्रेस के लिए एक ऐतिहासिक पल है। 64 साल बाद कांग्रेस पार्टी गुजरात में अपना अधिवेशन कर रही है। इससे पहले 1961 में भावनगर में यह आयोजन हुआ था। अधिवेशन की शुरुआत आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक से होगी जो सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय स्मारक नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी आज सुबह करीब 9 बजे अहमदाबाद पहुंचे और सीडब्ल्यूसी की बैठक में हिस्सा ले रहे हैं। शाम को वे साबरमती आश्रम भी जाएंगे। हालांकि, प्रियंका गांधी वाड्रा फिलहाल अहमदाबाद नहीं पहुंची हैं। आज दो विशेष चार्टर्ड विमानों के जरिए करीब 80 वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमदाबाद पहुंच रहे हैं।

हाईकोर्ट का फैसला

एमपी में अमान्य होगा दूसरे राज्यों का 'जाति प्रमाण-पत्र'

इंदौर। किसी अन्य राज्य से जारी जाति प्रमाण-पत्र मध्यप्रदेश में उस जाति से जुड़े लाभ के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। न ही अन्य राज्य के जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर मप्र में किसी तरह की पात्रता उसे मिलती है। मप्र हाईकोर्ट जस्टिस विवेक रुसिया की खंडपीठ ने ये अहम फैसला सुनाया।

वर्ष 2015 में उज्जैन नगर निगम महापौर पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित था। यहां महापौर पद के लिए प्रीति गेहलोद ने नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने नामांकन के साथ राजस्थान से जारी अनुसूचित जाति वर्ग का प्रमाणपत्र लगाया था। इसे निर्वाचन अधिकारी ने अमान्य करते हुए उनका फॉर्म निरस्त कर दिया था। इस पर उन्होंने उज्जैन जिला न्यायालय में याचिका लगाई थी। कोर्ट ने निर्वाचन अधिकारी के फैसले को सही बताते हुए उसे खारिज कर दिया था। इस पर गेहलोद ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

नहीं मिलेगी सुविधा

तर्क दिया था कि चूंकि बैरवा जाति राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों ही राज्यों में अनुसूचित जाति वर्ग में है, इसलिए उनका जाति प्रमाण-पत्र सही नहीं मानना गलत निर्णय है। इस पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा 2014 में जारी आदेश के आधार पर ये बात मानी कि आरक्षण सुविधा उसी राज्य में उपलब्ध होगी, जहां से जाति प्रमाण-पत्र जारी किया गया। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि मप्र द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र के अभाव में मप्र में आरक्षण सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। इस आधार पर कोर्ट ने चुनाव याचिका खारिज किए जाने के फैसले को सही बताया।

जज बनना नहीं आसान! सीजेआई ने ने बदल दिया सिफारिश का तरीका

अब हाई कोर्ट का जज बनने के लिए एक इंटरव्यू भी देना होगा

नई दिल्ली। हाई कोर्ट में जज बनना अब आसान नहीं होगा। लगभग तीन दशकों से वकीलों को हाई कोर्ट कोलेजियम की सिफारिश के आधार पर जज बनाया जाता था। इस कोलेजियम में सीजेआई की अध्यक्षता में कुल तीन सदस्य होते थे। इसकी सक्सेस रेट 85 से 90 फीसदी हुआ करती थी। मुश्किल से 10 से 15 फीसदी नामों को ही छांटा जाता था। हालांकि अब जज बनना आसान नहीं है क्योंकि अब सुप्रीम कोर्ट का कोलेजियम उनमें से 50 फीसदी से भी कम को मंजूरी देता है। अब जज बनने के लिए एक इंटरव्यू भी देना होगा। पहले सुप्रीम कोर्ट का कोलिजेयम यही देखता

था कि वकील ने कितने महत्वपूर्ण केस लड़े हैं। इसके अलावा इंटेलिजेंस ब्यूरो से एडवोकेट कम्युनिटी में उनकी छवि के बारे में जानकारी ली जाती थी। हाई कोर्ट कोलेजिया द्वारा जिन नामों की सिफारिश की जाती थी उनमें से 10 से 15 फीसदी को उनकी छवि के आधार पर छांट दिया जाता था। इसके बाद बाकी नामों को केंद्र के पास भेज दिया जाता था।

सिंगापुर के तीन मंजिला शॉपहाउस में लगी आग में आंध्र के डिप्टी सीएम के बेटे समेत 19 झुलसे

सिंगापुर। रिवर वैली रोड पर मंगलवार सुबह करीब 9.45 बजे एक तीन मंजिला शॉपहाउस में भीषण आग लग गई। सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स ने बताया कि आग इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल तक फैल गई थी और उसे तीन वाटर जेट्स की मदद से करीब 30 मिनट में बुझाया गया। इस हादसे में 15 बच्चों समेत 19 लोग घायल हुए हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण के छोटे बेटे भी शामिल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। पवन कल्याण के बेटे के हाथ और पैर में चोट आई है। सिंगापुर के रिवर वैली रोड पर फैली आग में जाने-माने अभिनेता और जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण के छोटे बेटे मार्क शंकर भी शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मार्क को हाथ और पैर में चोटें आई हैं और उनका इलाज सिंगापुर के एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। उधर, आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

ट्रंप के खिलाफ खड़े हुए EU के सभी 27 देश, अमेरिका को दी 25 फीसदी जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते 180 से ज़्यादा देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। ये टैरिफ तुरंत प्रभावी हो गए हैं। ट्रंप प्रशासन की इस नई नीति के तहत नॉन लिस्टेड देशों से सभी आयातों पर बेसलाइन 10 प्रतिशत टैरिफ और उन देशों पर हाई टैरिफ जो प्रशासन के अनुसार अमेरिकी निर्यात पर सख्त नियम या टैरिफ लगाते हैं। जिसके खिलाफ चीन ने अमेरिका से आने वाले हर आयात पर अब 34 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया है जो 10 अप्रैल से लागू भी हो जाएगा। चीन की तरफ से जवाबी टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ने भी उन पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। वहीं, खबर है कि अब यूरोपीय संघ

(श्र) ने कई अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी की है। हालांकि, प्रस्ताव पर अभी सदस्य देशों की तरफ से मुहर लगाया जाना बाकी है।

न्यूज एजेंसी के अनुसार, श्र ने सोमवार को कुछ अमेरिकी सामान पर 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। एजेंसी ने दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि कुछ सामान पर टैरिफ 16 मई 2025 से प्रभावी हो जाएगा जबकि, कुछ अन्य पर भी इस साल से लागू होगा। इनमें हीरे, अंडे, डेंटल फ्लॉस, पोल्ट्री समेत कई चीजें शामिल हैं। खबरें हैं कि सदस्य देशों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद इस लिस्ट में से कुछ चीजों को हटाया गया है। यूरोपीय संघ ने सोमवार को इस बात पर सहमति व्यक्त की कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ को हटाने के लिए जवाबी कार्रवाई की जगह बातचीत को प्राथमिकता दी जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति

ट्रंप की नीति के तहत 27 देशों के यूरोपियन यूनियन को स्टील, एल्युमीनियम और कारों पर 25त्न आयात शुल्क और लगभग सभी अन्य वस्तुओं पर बुधवार से 20त्न का रेसिप्रोकल टैरिफ देना होगा। ट्रंप की नीति के अनुसार ये देश अमेरिकी आयात पर हाई टैरिफ लगाते हैं। ट्रंप ने 2 अप्रैल को चीन और भारत समेत करीब 180 देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। चीन के उत्पादों पर अमेरिका ने 34 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इस पर पलटवार करते हुए चीन ने भी अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा कर दी है।

EU ट्रंप के साथ बातचीत को तैयार

EU के व्यापार की देखरेख करने वाले मंत्रियों ने सोमवार को लक्ज़मबर्ग में यूरोपीय संघ की प्रतिक्रिया पर चर्चा की। कई लोगों ने कहा कि प्राथमिकता वार्ता शुरू करना और एक स्पष्ट व्यापार युद्ध को टालना है। डच व्यापार मंत्री रेनेट क्लेवर ने संवाददाताओं से कहा, ÷हमें शांत रहने और इस तरह से प्रतिक्रिया करने की ज़रूरत है कि तनाव कम हो। शेयर बाज़ार अभी दिखा रहे हैं कि अगर हम सीधे तनाव बढ़ाते हैं तो क्या होगा लेकिन हम अमेरिकियों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए ज़रूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेंगे।÷ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने ब्रुसेल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूरोपीय संघ औद्योगिक वस्तुओं के लिए जीरो के लिए जीरो टैरिफ समझौते पर बातचीत करने के लिए तैयार है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं ने योग सत्र में किया ध्यान अभ्यास

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में संतुलित पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका: डॉ. खरे

संत हिरदाराम नगर। अंतर्राष्ट्रीय विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में एनसीसी, एनएसएस, आईआईसी और ई-सेल के संयुक्त तत्वावधान में एक जीवंत और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना और समग्र स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ आहार विषय पर डॉ. विभा खरे, विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा दिया गया व्याख्यान। डॉ. खरे ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में संतुलित पोषण की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और छात्रों को सचेत भोजन व आहार संबंधी व्यवहारों के व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए। स्वास्थ्य और जागरूकता की थीम को ध्यान में रखते हुए, एन.सी.सी. की कैडेट भूमिका ने कार्यक्रम में एक स्फूर्तिदायक योग सत्र एवं उसके पश्चात एक निर्देशित ध्यान अभ्यास भी आयोजित किया। इन सत्रों का उद्देश्य तनाव को कम करना, एकाग्रता बढ़ाना और आंतरिक शांति को बढ़ावा देना था। कॉलेज की प्राचार्या डालिमा पारवानी ने आयोजन से जुड़े सभी इकाइयों के प्रयासों की सराहना की और युवाओं के जीवन में स्वास्थ्य जागरूकता को अपनाने के महत्व को दोहराया, जो एक स्वस्थ राष्ट्र की नींव हैं। आयोजन प्रभारी डॉ. शान्ती शर्मा ने सभी छात्राओ एवं शिक्षको को आभार प्रकट किया।

भोपाल। अधिकारियों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग करने के विरोध में राहुल नगर के समीप डीजल-पेट्रोल पंप नगर निगम पर सफाई कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

सौरभ शर्मा की जमानत के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस ने संत नगर में किया प्रदर्शन

संत हिरदाराम नगर। भ्रष्टाचार में लिप्त सौरभ शर्मा मामले में पुलिस के लचीलेपन के कारण मिली जमानत के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण के नेतृत्व में बडी संख्या में उपस्थित पुलिस बल की मौजुदगी में मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला जलाने का प्रयास किया गया। प्रदर्शन के दौरान यहां पर मौजूद तीन थानों की पुलिस से पुतले को लेकर बीस मिनट तक झुमाझटकी चलती रही। यहां पर भाजपा के कार्यकर्ता भी पहुंच गए थे पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला छिन लिया। कांग्रेस पार्षद एवं ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण कहा कि सौरभ शर्मा की कार से 52 किलों सोना और नगदी और चांदी बरामद होती है पुलिस द्वारा समय पर चलान जमा न करने के कारण सौरभ शर्मा को जमानत मिल जाती इस यह सिद्ध होता है कि सौरभ शर्मा के कनेक्शन बडे-बडे अधिकारियों एवं मंत्रियों के साथ है अन्यथा इतने बडे भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति को जमानत मिलना असंभव है। यहां पर उपस्थित प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी ने कहा कि जिसे जेल में होना चाहिए उसे जमानत मिल गई इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार कितना फैला हुआ है। दिनेश मेघानी, सोनु तोमर, जीतु बलवा ने कहा कि कांग्रेस इस मामले लगातार प्रदर्शन कर पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री का पुतला दहन करती रहेगी। कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी भी की। प्रदर्शन के दौरान महेश गुरबानी, माधु चांदवानी, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, दिनेश मेघानी, रामभरोसे राठोड़, विष्णु मारण, राज मनवानी, लीलाधर पंवार, जगदीश सांवले, जीतु बलवा, सुरेश सिंगरोली, प्रकाश विधानी, अनिल टेकचंदानी, आत्माराम सूर्यवंशी, धीरज गोस्वामी, बबलु टेकचंदानी, राजकुमार धानुक, राजेश लोहट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चमनजीत सिंह लाल महाराज ने संत नगर की संगत को गुरु की वाणी से किया निहाल

संत हिरदाराम नगर। संत नगर मिनी मार्केट स्थित जिस डिठे सब दुख जाए ब्रह्मलीन साध्वी द्रोपदी धनवानी के गुरुद्वारे में सोमवार सुबह चिमंजीत सिंह लाल महाराज दिल्ली से पहुंचे और उन्होंने संगत के साथ जपजी साहिब का पाठ किया और संगत को कहा गुरु की वाणी से निहाल किया। उन्होंने कहा कि गुरू की वाणी से जुड़ो और अमृवेला संभालो गुरु आपके सब दु:ख दूर करेंगे, इस संसार में कोई काम आए ना आए पर गुरु आपके हर पल साथ है और गुरु की जिसने सेवा की वो इंसान इस संसार में तर जाता है, इस अवसर पर साध्वी द्रोपदी दीदी की शिष्य सोनी लालवानी, भाविका सिरवानी, लता गंगवानी, राजकुमारी चोटरानी, मुरली नेनवानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मांधू चाँदवानी, राकेश शेवानी, जयराम अरतानी, भगवानदास जनयानी, दिलीप रख्यानी, राकेश नारयनी, कमल दामानी सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित थी।

ज्ञान दान अभियान की प्रेरणादायक शुरुआत

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 7 अप्रैल 2025 से 'ज्ञान दान अभियान' की शुरुआत की गई है। इस सराहनीय पहल का शुभारंभ राज्य कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह ने किया। अभियान का जरूरतमंद विद्यार्थियों तक प्रतियोगी परीक्षाओं और शैक्षणिक किताबों को पहुँचाना है, जो संसाधनों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं। सीईओ श्रीमती सिंह ने आमजन से आग्रह किया गया है कि वे पुरानी व उपयोग में न आने वाली यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, स्कूल-कॉलेज स्तर की किताबें और सामान्य ज्ञान व संदर्भ ग्रंथ दान कर सकते हैं। ये पुस्तकें आजीविका मिशन के राज्य, जिला व ब्लॉक कार्यालयों, सीटीसी-सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र या गांवों में मौजूद स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठन, संकुल स्तरीय संगठनों के कार्यालयों के माध्यम से एकत्र की जाएंगी। यह अभियान किताबों का आदान-प्रदान कर विद्यार्थियों का भविष्य संवारने की एक सशक्त मुहिम है। आमजन से अपील है कि वे इस अभियान से जुड़कर किसी के सपनों को उड़ान देने में भागीदार बनें।

चूनाभट्टी मां काली के दरबार में लगी भक्तों की भीड़

भोपाल। शिव कालिका मंदिर चुना भट्टी पर रामनवमी के पावन पर्व पर विशाल महा आरती की गई यह जानकारी मंदिर के संचालक शिव यादव ने मीडिया को दी उन्होंने बताया कि माता रानी के दर्शन के लिए सुबह से ही यहां पर भीड़ लगी हुई है ऐसा माना जाता है इस मंदिर पर जो भी सच्चे मन से अपनी मुराद लेकर आता है उसकी सभी मुरादे पूरी होती है यह हम नहीं कहते यह जनता कहती है और इस बात का यह नजारा नजर आ रहा है कि यहां पर माताएं बहनों की इतनी भीड़ लगी हुई है यहां की मां काली की मनमोहक प्रतिमा सभी का मन को मोह लेती है।

प्रतिष्ठा पूर्ण दिगंबर विद्यालय के चुनाव में विजयी सदस्यों का स्वागत सम्मान

भोपाल। दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवनिर्वाचित सदस्यों का स्वागत भोपाल रविवार को दिगंबर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संपन्न हुए चुनाव में विजय रहे सदस्यों का परसमाज के आलोक जैन पंचतंत्र और अमित जैन तड़ैया ने स्वागत वंदन कर शुभकामनाएं देकर अपने कार्यकाल में कार्यकाल में स्कूल को विकास की ऊंचाइयों तक ले जाएं, विजय हुए समिति सदस्य और मत.सुनील जैन पब्लिशर्स 626.सुधीर नरपत्या 565. अलोक पंचरत्न 556. अभिषेक जैन 524.डॉ अनुराग जैन 514.अनुराग पवैया 490. विमल भण्डारी 473.रितेश जैन गोल्ड 472.ऋषभ जैन कोतवाली 455.मनीष सोगानी 444.आयुष मोदी 440.वैभव जैन 435.अरविंद टढैया 430. मनोज जैन एडीवी 428. नितेश जैन मामा 425 इस अवसर पर सम्मान से अभिभूत सभी सदस्यों ने मतदाताओं का आभार माना विजय होने पर सेवा भारती,श्री हिन्दू उत्सव समिति, शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद और कई सामाजिक संगठनो ने बधाई दी हे।

न्यू भोपाल सराफा ऐसोसिएशन भोपाल के आनंद सोनी तीसरी बार बने निर्विरोध अध्यक्ष

भोपाल। न्यू भोपाल सराफा एसोसिएशन भोपाल के चुनाव एक निजी होटल में संपन्न हुए जहां पर सर्वसम्मति से तीसरी बार दस नंबर मार्केट के सोनी ज्वेलर्स के संचालक आनंद सोनी पूर्व सरपंच को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया उनके अध्यक्ष निर्वाचित होने के पश्चात उन्होंने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की जो निम्न अनुसार है। संरक्षक बृजभूषण जौहरी, राकेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, अमित अग्रवाल, राम पंजवानी, मनोज जैन ,अशोक अग्रवाल, उपाध्यक्ष रविंद्र साहू ,सुमित अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, शशांक बजाज ,सचिव प्रसेनजीत सोनी , कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ,महामंत्री नितेश अग्रवाल ,प्रवक्ता सुमंत सोनी, कार्यकारिणी सदस्य अंशुल अग्रवाल, सतीश सोनी ,सुबोध साहू ,अनूप राजपूत , शाह घोषणा हुई उसके बाद सर्राफा व्यापारी मनोज जैन की दुकान पर जो लूट हुई थी जिसमें उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर चोर को पकड़ा था उसके लिए उन्हें न्यू भोपाल सराफा एसोसिएशन के द्वारा उनकी बहादुरी के लिए उनका शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।

विराट नगरी में गूंजा जय श्रीराम

शहडोल। विराट नगरी श्रीराम नवमीं के पावन अवसर पर जय श्रीराम जय श्री राम के नारे से गूंज उठा। श्रीराम नवमीं के पावन अवसर पर संभागीय मुख्यालय शहडोल श्रीराम जानकी मंदिर प्रागंण में संस्कृति विभाग द्वारा प्राकट्य पर्व का आयोजन किया गया। प्राकट्य पर्व का शुभारंभ कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्राकट्य पर्व के अवसर पर श्री भवानी दास अहिरवार एवं साथी, जबलपुर द्वारा बुन्देली लोकगायन,सुश्री अमिता खरे एवं साथी, भोपाल द्वारा नृत्यनाटिका राम प्रसंग तथा दीन भवत अखिलेश राजा एवं ग्रुप, जबलपुर द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम एवं समाजसेवी अमिता चपरा, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, समाजसेवी रवि गुप्ता, श्रीमती सत्यभाभा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी समाजसेवी एवं काफी संख्या में जनमानस उपस्थित थें। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय एवं विनय मिश्रा ने किया।

योग से दूर करें शारीरिक थकान एवं मानसिक तनाव: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक योग केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। हजारों योग साधक अपनी योग साधना की निरंतरता से विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं स्वस्थ एवं सकारात्मक रहते हुए सेवा के कार्यों में लगे है साथ ही परिवार में खुशहाली अपने दांपत्य जीवन में मधुरता महसूस कर रहें है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग अपने आप में एक पूर्ण विज्ञान माना जाता है जिसके हर आसन तन और मन को तंदुरुस्त रखने में मदद करते है। योग के आसन ना सिर्फ आपके मन और शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होते है बल्कि यह आपके यौन जीवन को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होंगे तभी किसी भी उम्र में एक स्वस्थ वैवाहिक जीवन को जी पायेंगे। जीवन हो या शरीर किसी भी क्षेत्र में कोई भी समस्या हो उसका सीधा प्रभाव आपके वैवाहिक जीवन पर पड़ता है।

अगर आप किसी तनाव या अवसाद में हैं तो सेक्स के प्रति रूचि कम हो जाएगी। शरीर में किसी भी प्रकार का कष्ट सेक्स के दौरान चरम अवस्था तक पहुंचने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। खराब जीवनशैली या किसी भी प्रकार के बीमारी के कारण कई प्रकार के सेक्स संबंधी समस्याओं का सामना आपको करना पड़ सकता है। स्वस्थ और बेहतर सेक्स जीवन का आनंद उठाने के लिए दूसरे उपायों का सहारा लेने के बजाय योग का सहारा लेना सबसे सुरक्षित और सही उपाय होता है।

योग आपको हर पल शरीर और मन से युवा बनाए रखने की ताकत रखता है, साथ ही यह वैवाहिक जीवन सुखी बनाने में मदद भी करता है। मगर इसके लिए सतत अभ्यास की आवश्यकता है। योग के वो 15 आसन जो आपके यौन जीवन को सुखी बनाने में आपकी मदद कर सकते है। 1.पद्?मासन - योग के इस आसन से मांसपेशीयां , पेट, मूत्राशय और घुटनों में खिंचाव उत्पन्न होता है, जिससे इनमें मजबूती आती है। इससे न सिर्फ शरीर में उत्तेजना का संचार होता है बल्कि चरमसुख की अवधि भी बढ़ती

है। 2. हलासन = यौन ऊर्जा को बढ़ाने के लिए इस आसन का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पुरुषों और महिलाओं की यौन ग्रंथियों को मजबूत और सक्रिय बनाता है। जिन्हें ब्लड प्रेशर की शिकायत है उन्हें यह आसन कहीं करना चाहिए। 3. तितली आसन= इस आसन को करने से जननांग सुदृढ़ होने के साथ-साथ पेल्विक और ग्रॉइन अंगों में लचीलापन आ जाता है। इस आसन से सेक्स के प्रति रूची बढ़ाने के साथ-साथ चरम आंनद का उपभोग भी कर पाते हैं। वैवाहिक संबंधों के लिए इस आसन को रामबाण माना जाता है। 4. हनुमान आसन = इस आसन को करने से गुप्तांगों में रक्त का संचार अच्छी तरह से होने लगता है। साथ ही नीचे के अंगों की मांसपेशियों में तनाव कम होने के कारण लचीलापन आ जाता है। जिसके कारण सेक्स के दौरान कठिनाई कम होती है और चरम आनंद का अनुभव होता है। 5. उष्ट्रासन= इस आसन को करने से गुप्तागों में रक्त का संचार अच्छी तरह से हो पाता है। इसके कारण सेक्स के दौरान शरीर में अपुर्व ऊर्जा का संचार होने लगता है जो सेक्स के आनंद को उठाने में मदद करता है। 6. भुजंगासन = भुजंगासन आपकी छाती को चौड़ा और मजबूत बनाता है। यह मेरुदंड और पीठ दर्द संबंधी समस्याओं को दूर करने में फायदेमंद है। यह स्वप्नदोष को दूर करने में भी लाभदायक है। इस आसन के लगातार अभ्यास से वीर्य की दुर्बलता समाप्त होती है। 7. सर्वांगासन = यह आपके कंधे और गर्दन के हिस्से को मजबूत बनाता है। यह नपुंसकता, निराशा, यौन शक्ति और यौन अंगों के विभिन्न अन्य दोष की कमी को भी दूर करता है।

थायराइड ग्रन्थि को प्रभावित करता है, जिससे थायराइड के स्राव में सन्तुलन आता है, जिसके कारण सम्पूर्ण चयापचय प्रभावित होता है। शरीर के समानुपातिक विकास एवं भार के समान वितरण में सहायक होता है। अपस्फीत शिरा तथा बवासीर का उपचार करता है। शरीर के सही तापमान तथा प्राण ऊर्जा के उच्च स्तर एवं सकारात्मक भावनात्मक दृष्टि को बनाये रखता है। एकाग्रता विशुद्धि चक्र पर। 8.धनुरासन = यह कामेच्छा जाग्रत करने और संभोग क्रिया की अवधि बढ़ाने में सहायक है। योगाचार्यों अनुसार यह पुरुषों के ?वीर्य के पतलेपन को दूर करता है। लिंग और योनि को शक्ति प्रदान करता है। 9. पश्चिमोतानासन = सेक्स से जुड़ी समस्त समस्या को दूर करने में सहायक है। जैसे कि स्वप्नदोष, नपुंसकता और महिलाओं के मासिक धर्म से जुड़े दोषों को दूर करता है।

मुख्यमंत्री से मिले प्रदेश के 12 नगर पालिक निगमों के महापौर, रखी अपनी-अपनी बात

मुख्यमंत्री बोले,सभी नगर निगमों में बनेंगी विकास समिति शहर के विकास के लिए सब मिलकर करें काम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी नगर निगमों में विकास समिति बनाई जाएगी। अपने शहर के विकास के लिए डॉक्टर, इंजीनियर, सिटी प्लानर, प्रोफेसर, लेक्चरर, टीचर सब मिलकर काम करेंगे। हमने इसी बजट में शहरों में विकास समिति बनाने का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के महापौरों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महापौर शहर के प्रथम नागरिक हैं। नगर और नागरिकों के विकास के लिए पूरी क्षमता, समर्पण और सेवा भावना से काम करें। उन्होंने कहा कि हमारे शहर विकास के मामले में अव्वल रहें, इसके लिए नगर विकास के रोडमेप पर लगातार चर्चा की जाएगी। म.प्र. महापौर संघ के अध्यक्ष श्री पुष्यमित्र भार्गव (महापौर इंदौर) के नेतृत्व में प्रदेश के 12 शहरों के महापौर ने सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की। महापौरों ने शहर के विकास के लिए अपनी-अपनी बात रखी।भोपाल महापौर मालती राय, उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल, सागर महापौर संगीता तिवारी, रीवा महापौर अजय मिश्रा, खंडवा महापौर सुश्री अमृता यादव, रतलाम महापौर प्रह्लाद पटेल, देवास महापौर गीता अग्रवाल, छिंदवाड़ा महापौर विक्रम आहाके, कटनी महापौर प्रीति सूरी, बुरहानपुर महापौर माधुरी पटेल और सिंगरौली महापौर रानी अग्रवाल ने प्रदेश के पवित्र शहरों में शराबबंदी लागू करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ देकर एवं अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन किया।

जल गंगा जल संवर्धन अभियान को दें प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल बचाना बेहद जरूरी है। इसलिए सभी महापौर अपने निगम क्षेत्रों में इस अभियान के तहत प्राथमिकता से जल संरक्षण के काम कराएं और जन सहभागिता से इस अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए प्रयास जारी हैं। नगर निगम अपने क्षेत्र के विकास के लिए प्रस्ताव दें। बच्चों, अकांक्षी युवाओं को कैरियर डेवलपमेंट कैंप या व्यक्तित्व सुधार शिविर आदि लगाएं। अपने जन बल (समर्थन) का उपयोग शहर के विकास में करें। नगर सरकार की अवधारणा को मजबूत बनाने के लिए काम करें। निगम मितव्यता बरतें, अपने खर्च कम करें और विकास के कामों के लिए राजस्व जुटाएं। हर साल नए नए काम करें और आय अर्जन के स्रोत सृजित करके आत्मनिर्भर बनने की ओर आगे बढ़ें।

नए आपराधिक कानूनों, धाराओं और प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन को कराएं उपलब्धः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय प्रणाली को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। सभी के लिए अधिक सुलभ, सहायक और कुशल न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बने इन कानूनों और नवीन प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। न्याय प्रणाली से जुड़ी सभी संस्थाओं में अद्यतन व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए जन-सामान्य को नई धाराओं और प्रक्रियाओं से शीघ्र अतिशीघ्र अवगत कराने के लिए नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन आपराधिक कानूनों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस, जेल, अभियोजन, न्यायिक एवं फॉरेंसिक कर्मियों के बीच अद्यतन तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सभी हितधारकों में हर स्तर पर बेहतर समन्वय जरूरी है। प्रत्येक स्तर पर आवश्यक व्यवस्था, उपकरण और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अचल सम्पत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ राजस्व का अमला भी सजग और सतर्क रहे, साथ ही दोनों विभागों में परस्पर समन्वय भी हो। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों सहित जिन क्षेत्रों में भूमि की दरें तेजी से बढ़ रही है, वहां विशेष सजगता बरती जाए। बैठक में बताया गया कि समयावधि में चालान के लिए नवीन डैशबोर्ड उपलब्ध है। ई-साक्ष्य की प्रक्रिया भी आरंभ की जा चुकी है। पुलिस थानों तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए न्यायश्रुति सॉफ्टवेयर तैयार कर लिया गया है और थानों व कंट्रोल रूम में साउंड प्रूफ कक्ष चिन्हित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन समन/वारंट मॉड्यूल के अंतर्गत गतिविधियां प्रगति पर हैं। पिछले तीन महीने में 50 प्रतिशत से अधिक वारंट तिथि से पहले इलेक्ट्रानिक रूप से तामील किए गए। इनकी मॉनीटरिंग के लिए सभी जिलों में सेल गठित किए जा चुके हैं। डिजिटल इन्वेस्टिगेशन केलिए टेबलेट्स और लाइव स्कैनर थानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, डेटा चोरी जैसे सायबर अपराधों के बारे में जागरूकता के लिए की गई पहल की भी जानकारी दी गई।

हरदा कलेक्टर बोले, बनासकांठा दुर्घटना के प्रभावित परिवारों को हर संभव की जा रही मदद

भोपाल। गत दिनों गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में हरदा जिले के प्रभावित परिवारों को प्रशासन द्वारा हर संभव मदद देने की कार्यवाही लगातार जारी है। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि दुर्घटना में मजदूर परिवारों के कुल 11 सदस्यों की मृत्यु हो गई थी। इन सभी 11 मृतकों के परिजन को प्रधानमंत्री सहायता कोष से दो-दो लाख रुपए तथा गुजरात शासन की ओर से चार-चार लाख रुपए की मदद स्वीकृत की गई है। इसके अलावा सभी 11 मृतकों के परिजन को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान की राशि से 2-2 लाख रुपए की मदद मृतकों के परिजनों को दी जा चुकी है। साथ ही संबल अनुग्रह योजना से 3 मृतक श्रमिक के परिवारों को चार-चार लाख रुपए की मदद भी दी गई है। हरदा कलेक्टर सिंह ने बताया कि संबल योजना में पंजीबद्ध 8 मृतक मजदूरों के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में पांच-पांच हजार रुपए की सहायता भी दी गई है। उन्होंने बताया कि 2 घायल मजदूरों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 50-50 हजार रुपए तथा गुजरात सरकार की ओर से 50-50 हजार रुपए की सहायता देने की कार्यवाही जारी है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि दोनों घायल मजदूरों को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 50-50 हजार रुपए की मदद दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रभावित परिवारों में से राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत पात्र पाए गए 2 परिवारों को 20-20 हजार रुपए स्वीकृत करने की कार्यवाही भी की जा रही है। इसके अलावा कुल 13 प्रभावित परिवारों में से 8 परिवारों को राशन पात्रता पर्ची जारी कर दी गई है और उन्हें अप्रैल माह का राशन प्रदान कर दिया गया है। हरदा कलेक्टर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में पात्र पाए गए दो मृतक श्रमिकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत करने की कार्यवाही भी जारी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जन भागीदारी के लिए पोर्टल, 54 हजार से अधिक बने जलदूत

भोपाल। जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान को MY Bharat पोर्टल पर मेगा एवेंट के रूप में लॉन्च किया है। इस अभियान का उद्देश्य समाज की भागीदारी से जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, सफाई, मरम्मत और जल प्रदूषण में कमी जैसे कार्यों को बढ़ावा देना है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा विकसित पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफार्म है जो युवाओं को राष्ट्रझ विकास के विविध कार्यक्रमों से जुड़कर सकारात्मक बदलाव के अवसर प्रदान करता है। इस पोर्टल के माध्यम से जिले अपने जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को पब्लिश करेंगे और युवाओं को जल दूत के रूप में पंजीकृत कर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक ग्राम से युवाओं को प्रेरित कर जलदूत बनाया जाएगा, जिन्हें पोर्टल से प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। अब तक 54 हजार से अधिक लोग जलदूत के रूप में पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा चुके है। पंजीकृत जलदूत अभियान से जुड़े इवेंट्स में भाग लेकर अपने अनुभव, फोटो और वीडियो पोर्टल पर साझा कर सकेंगे। संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी व समन्वय की जिम्मेदारी जिला स्तर पर मनरेगा के वरिष्ठ डाटा प्रबंधक, जिला परियोजना अधिकारी अथवा जिला स्तर के अन्य किसी उपयुक्त अधिकारी को जिला स्तर एवं नोडल अधिकारी के रूप में सौंपी गई है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर किया अनमोल 2.0 का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाया जाएगा। इस दिशा में प्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है। सरकार के साथ समाज को भी स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय करना है। शासकीय, अशासकीय और अर्द्धशासकीय स्तर पर नागरिकों के स्वास्थ्य रक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रदेश में अनेक प्रकल्प संचालित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर होटल कोर्टयार्ड मैरियट में हुए कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मातृ-शिशु संजीवन मिशन रणनीति दस्तावेज एवं अनमोल 2.0 पोर्टल का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर इस अभिनव कार्यक्रम की रचना के लिए स्वास्थ्य विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बदलते दौर का भारत है और पूरी दुनिया इसे देख रही है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री श्री मोदी की नेतृत्व क्षमता सामने आई, जब आपदा के अवसर के मंत्र पर काम करके भारत ने वैक्सीन तैयार की और अपने राष्ट्र के नागरिकों के साथ ही अनेक राष्ट्रों को भी सहायता दी। अथक अनुसंधान से देश की नागरिकों को निःशुल्क वैक्सीन मिल जाने से जहां उनके स्वास्थ्य को ठीक करने में सहायता मिली, वहीं यह वैक्सीन सभी का मनोबल बढ़ाने में भी उपयोगी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वह काफी कठिन दौर था, जब हमारी जनता कष्ट में थी, लेकिन श्रेष्ठ प्रबंधन से राष्ट्र में टीकाकरण का प्रभावी कार्य हुआ और रोग पर नियंत्रण हुआ।

राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान ने 1530 अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। खेती की आधुनिक पद्धतियों, कृषि यंत्रों एवं नवीनतम तकनीकों की जानकारी कृषि विभाग के अधिकारियों को समय-समय पर दी जा रही है, जिससे कि वे क्षेत्र में जाकर किसानों को उनसे अवगत करा सकें। राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा वर्ष 2024-25 में 57 प्रशिक्षणों के द्वारा 1530 अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान बरखेड़ी कला, भोपाल कृषि की आवश्यकता अनुसार विभिन्न विषयों पर विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि विभाग की आत्मा योजना अंतर्गत वर्ष 2024-25 में कृषि एवं संवर्गीय विभाग के अधिकारियों के 54 प्रशिक्षण आयोजित किए गए जिससे 1338 प्रशिक्षणार्थियों को लाभ मिला। आत्मा योजना क्रियान्वयन के लिए 2 रिव्यू वर्कशॉप के माध्यम से 155 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। मंत्री कंषाना ने कहा कि पिछले एक वर्ष में 30 विषयों पर प्रशिक्षण आयोजित किए गए। इनमें सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट, एग्रो फॉरेस्ट्री फॉर इंक्रीजिंग फार्मर्स इनकम, फार्म मैकेनाइजेशन, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट इन एग्रीकल्चर एंड हॉर्टिकल्चर क्रॉप्स, ऑर्गेनिक फार्मिंग एंड सर्टिफिकेशन इश्यूज एंड स्ट्रेटजीज, इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर फॉर क्वालिटी कंट्रोल एंड लीगल एस्पेक्ट्स, ओरिएंटेशन ऑन फ्लैगशिप स्कीम्स, ऑफिस मैनेजमेंट फॉर एग्रीकल्चर एंड एलाइड डिपार्मेंट (एग्जीक्यूटिव), ऑफिस मैनेजमेंट फॉर एग्रीकल्चर एंड एलाइड डिपार्टमेंट (मिनिस्टीरियल), मार्केट लेड एक्सटेंशन एंड मार्केट लिंकेज, लीडरशिप डेवलपमेंट एंड टीम बिल्डिंग, इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट, सस्टेनेबल लाइवस्टॉक एंड फोडर प्रोडक्शन, मिलेट्स प्रोडक्शन, रिसोर्स कंजर्वेशन टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर, आईटी इन एग्रीकल्चर पर सुपरवाइजरी ऑफिसर्स, जीआई आईपीआर और डब्ल्यूटीओ, रिफ्रेशर ट्रेनिंग कम वर्कशॉप फॉर खरीफ क्रॉप्स, रिफ्रेशर ट्रेनिंग कम वर्कशॉप फॉर रबी क्रॉप्स, सॉइल ट्रेनिंग एंड न्यूट्रीशनल रिकमेंडेशन फॉर एग्रीकल्चर क्रॉप्स, जेंडर सेंसटाइजेशन एंड जेंडर बजटिंग, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन एंड कंपनीज, मैनेजमेंट ऑफ मेजर पॉलिफेगस इंसेक्ट्स पेस्टस, आत्मनिर्भर भारत मिशन इन एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर, स्वच्छता एक्शन प्लान, रेनफेड फार्मिंग, प्रेसीजन फार्मिंग एग्रीकल्चर, रिफ्रेशर ट्रेनिंग फॉर आत्मा फंशनरीज और रिफ्रेशर ट्रेनिंग फॉर फॉर्म मैनेजर विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

दो निर्माण एजेंसी ब्लैक लिस्ट और तीन अधिकारियों को नोटिस

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार के लिये प्रदेशभर में हुआ औचक निरीक्षण, 35 कार्यों का किया गया मूल्यांकन

भोपाल। प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की नवीन पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल में हर माह दो बार सॉफ्टवेयर से रैंडमली चयनित दलों, जिलों, निर्माण कार्यों और सामग्री के सैंपल लेने के स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा।इसी क्रम में 5 अप्रैल 2025 को प्रदेश के 7 जिलों हरदा, बालाघाट, अशोकनगर, अलीराजपुर, सीधी, उज्जैन एवं टीकमगढ़ में निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण अभियान के अंतर्गत कुल 35 निर्माण कार्यों का चयन रैंडम आधार पर किया गया, जिनमें 14 कार्य पीडब्ल्यूडी (सड़क/पुल), 13 कार्य पीआईयू, 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, 1 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम एवं 1 कार्य पीडब्ल्यूडी से संबंधित थे। निरीक्षण के बाद प्राप्त प्रतिवेदन की समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में की गई, प्रबंध संचालक सड़क विकास निगम श्री भरत यादव, प्रमुख अभियंता श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता श्री एस.आर. बघेल, सभी मुख्य अभियंता एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा में टीकमगढ़ जिले के दिगोड़ा-मोहनगढ़ मार्ग की गुणवत्ता को लेकर निरीक्षणकर्ताओं ने सराहना की। परफॉर्मेंस गारंटी की अवधि समाप्त होने के दो वर्ष बाद भी मार्ग की स्थिति उत्कृष्ट पाई गई। इसके लिए निर्माण कार्य के दौरान पदस्थ अनिल श्रीवास्तव एवं पी.के. जोशी की विशेष प्रशंसा की गई। बालाघाट जिले के पीनडकेपर-खुशीपार-फोगलटोला मार्ग पर गुणवत्ता में गंभीर कमी पाई गई, जिसमें कस्ट की मोटाई कम पाई गई तथा सीसी कार्य में जॉइंट कटिंग समय पर नहीं की गई।

पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने हुई कार्यशाला 75 से अधिक जड़ी-बूटी विशेषज्ञ जुटे

भोपाल। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि वर्तमान में पारम्परिक चिकित्सा पद्धति और औषधीय वनस्पतियों से जुड़े सदियों पूराने ज्ञान को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। झाबुआ जिले में पारम्परिक औषधीय ज्ञान को संरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल की गई है। डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार कार्यशाला का आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि झाबुआ की धरती पर लोक ज्ञान का अपार भंडार है। इस कार्यशाला में 75 से अधिक पारम्परिक जड़ी-बूटी विशेषज्ञों को एकत्रित किया गया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जिले के सभी विकासखंडों से एकत्रितहुएइन विशेषज्ञों ने इस अंचल में पाये जाने वाले जड़ी बूटियों का परम्परागत ज्ञान साझा किया है। उन्होंने कहा कि यह परम्परागत ज्ञान विलुप्त न हो जाये और आने वाली पीढ़ियों तक इसके हस्तांतरण के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पूरी दुनिया ने कोरोना काल में आयुर्वेद की शक्ति को पहचाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया है और देश भर में आयुर्वेद का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है और इसी से परम्परागत ज्ञान को लिपीबद्ध करने से इसको संरक्षित किया जा सकेगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि भविष्य में सभी जानकारियों का सुव्यवस्थित संकलन कर हिन्दी और अंग्रेजी में दस्तावेज तैयार किये जायेगें। इसमें जड़ी बूटियों के नाम, स्त्रोत, प्रयोग विधि, मात्रा, उपलब्धता और उपचार की प्रक्रिया को विस्तार से दर्ज किया जायेगा। कलेक्टर नेहा मीणा ने जानकारी देते हुए बताया है कि पिछले 6 माह में जिले के सभी विकासखंडों में जड़ी बुटी विशेषज्ञों का सर्वेक्षण कर 157 विशेषज्ञों की सूची तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयास केवल जानकारी का संग्रह नहीं बल्कि परम्परिक चिकित्सा पद्धति के दस्तावेजीकरण की एक सशक्त शुरूआत है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ताहिर अली के निवास पहुंचकर दी ईद की शुभकामनाएं

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक जनसंपर्क ताहिर अली के निवास पर पहुंचकर उन्हें और उनके परिवार को ईद की शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस अवसर पर परिवारजनों से आत्मीय भेंट की, बच्चों को स्नेह किया। अली के परिवारजन ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल का आत्मीय स्वागत किया और हर वर्ष की तरह इस बार भी अपने व्यस्त समय में से कुछ पल निकालकर पर्व की खुशियों में सहभागी बनने के लिए आभार व्यक्त किया। अली वर्ष 2004 से उप मुख्यमंत्री शुक्ल का मीडिया समन्वय और प्रचार-प्रसार का कार्य देख रहे हैं।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास होना चाहिए: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण की फैक्ट्री होते हैं और शिक्षकगण इन संस्थाओं के कुशल कारीगर होते हैं। उन्होंने श्री रवींद्रनाथ टैगोर के उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के तृतीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अपने ज्ञान का प्रयोग समाज के उत्थान में करें। केवल व्यक्तिगत सफलता ही नहीं, समाज और देश के विकास में भी भागीदारी आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि बड़े पद पर पहुँचने के बाद ही असली कार्य प्रारंभ होता है। अपने योगदान से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे राष्ट्र के तीव्र विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अधोसंरचना, आर्थिक समृद्धि, और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। उन्होंने वर्ष 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प को दोहराया और कहा कि 'स्किल, स्केल और स्पीड' के तीन स्तंभों पर काम किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि धरती से दौलत निकालनी होगी। इस विचारधारा को मूर्त रूप देते हुए 'नदी जोड़ो परियोजना' के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नव युग की शुरुआत हो रही है।उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि आज युवाओं के पास विकास के बहुत अवसर हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की दीक्षांत समारोह स्मारिका तथा कंप्यूटर एक परिचय पुस्तक के 41वें संस्करण का विमोचन भी किया। समारोह में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, कुलगुरु डॉ. आर.पी. दुबे, इसरो के वरिष्ठ एयरोस्पेस वैज्ञानिक राधाकांत पाढ़ी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आकाशवाणी केंद्र में किया पौधरोपण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश के आकाशवाणी केंद्र, भोपाल परिसर में आम के पौधे का रोपण किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि जैसे एक पौधा धीरे-धीरे बड़ा होकर फल देता है, वैसे ही एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली भी निरंतर प्रयासों से तैयार होती है। उप मुख्यमंत्री ने आकाशवाणी टीम के साथ साक्षात्कार में स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश सरकार के विजन और आगामी योजनाओं को साझा किया। आकाशवाणी के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

दुनिया में जल्दी ही शुरू हो सकता है मंदी का दौर

अमेरिका की जवाबी शुल्क नीति का असर अब दुनिया के बाजार में दिखने लगा है। खुद अमेरिकी बाजार का रुख नीचे की तरफ हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जैसे ही विभिन्न देशों पर लगने वाले जवाबी शुल्क की सूची जारी की, वैश्विक बाजार डगमगाने लगे। शुक्रवार को डाउ जोन्स, नेस्डैक और एसएंडपी 500 में औसतन करीब छह फीसद की गिरावट देखी गई। यह गिरावट सभी क्षेत्रों में जारी रही। उसका असर भारतीय शेयर बाजार में भी दिखा। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही रुख बना रहा, तो दुनिया में बहुत जल्दी मंदी का दौर शुरू हो जाएगा।

वैश्विक शेयर बाजार में इतनी बड़ी गिरावट कोरोना के बाद पहली बार देखी गई है। उधर, जिन देशों पर अमेरिका ने पारस्परिक शुल्क लगाया है, वे भी जवाबी शुल्क लगाने को तत्पर हैं। चीन ने तो तत्काल अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उतना ही शुल्क लगा दिया, जितना अमेरिका ने उस पर लगाया है। इस तरह शुल्क संग्राम शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। स्वाभाविक ही इस अमेरिकी नीति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा, जिसकी शुरू से आलोचनाएं हो रही हैं।

अमेरिका खुद कई चीजों के उत्पादन में दूसरे देशों पर है निर्भर

शेयर बाजार में गिरावट का अर्थ है कि अर्थव्यवस्था को लेकर निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है। जिन निवेशकों ने अमेरिकी फेडरल की दरें बढ़ने के चलते भारतीय पूंजी बाजार से पैसे निकाल कर अमेरिकी बाजार में लगाना शुरू किया था, उन्होंने भी पैसे निकालना शुरू कर दिया है। दरअसल, पारस्परिक शुल्क की वजह से अमेरिकी बाजार में पूंजी का प्रवाह ठहर जाने, उत्पादन कमजोर होने और तेजी से महंगाई बढ़ने की आशंका गहराने लगी है।

खुद अमेरिका कई चीजों के उत्पादन में दूसरे देशों पर निर्भर है। इसलिए उन पर शुल्क बढ़ेगा, तो अंतिम रूप से वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी। फिर, बहुत सारी अमेरिकी कंपनियों ने विभिन्न देशों में अपनी उत्पादन इकाइयां लगा रखी हैं। कई मामलों में आंशिक रूप से, तो कई में पूर्ण रूप से वे अपना उत्पादन दूसरे देशों में करती हैं। इस तरह वहां से तैयार होकर आने वाले उत्पाद की कीमतें भी बढ़ जाएंगी। यही प्रक्रिया दूसरे देशों में भी शुरू हो जाएगी। जाहिर है, इससे न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया में महंगाई बढ़ेगी। महंगाई बढ़ने का अर्थ है कि लोग अपने जरूरी खर्चों में भी हाथ पीछे खींचना शुरू कर देंगे। इस तरह बाजार में पूंजी का प्रवाह रुकेगा। इसका सबसे बुरा असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा।

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

-ललित गर्ग-

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचर्चाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता ब?ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक ब?ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जु? हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे ब?ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण

न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं ब?ी। इसका एक ब?ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की ग?बि?यां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे ब?ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को ब?ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर ब?ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जु? विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक प?ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम प?ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास ब?ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता ब?ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जु?ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

पेट्रोल-डीजल, गैस के बढ़े दामों पर विपक्ष ने उठाए सवाल, सरकार वैश्विक स्थिति का दे रही हवाला

लोकसभा, उत्तर प्रदेश विधानसभा जैसे चुनावों के वक्त जरूर सरकार ने उत्पाद शुल्क कुछ घटा दिए थे। मगर फिर उसने ब?ा दिया है। सरकार इस बात से अनजान नहीं कि तेल की कीमतें बने से महंगाई भी बन जाती है।

इस वक्त जब अमेरिका के पारस्परिक शुल्क थोपने से वाणिज्य-व्यापार पर पाने वाले असर को लेकर तरह-तरह के आकलन आ रहे हैं, केंद्र सरकार ने डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी करके एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। डीजल और पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में दो-दो रुपए और रसोई गैस पर पचास रुपए की बढ़ोतरी की गई है। विपक्ष इसे लेकर हमलावर है। उसका कहना है कि इस समय जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत पिछले चार वर्षों में सबसे निचले स्तर पर है, तब भी तेल की कीमत क्यों बननी चाहिए।

हालांकि सरकार का कहना है कि उसने उत्पाद शुल्क जरूर बढ़ाया है, पर इसका बोझ आम उपभोक्ता पर नहीं पड़ेगा। यह खर्च तेल कंपनियां वहन करेंगी। इस तरह तेल की कीमतें यथावत बनी रहेंगी। मगर इसे लेकर लोगों का भरोसा इसलिए नहीं बन पा रहा है कि सरकार अपने नफे-नुकसान के मद्देनजर तेल की कीमतों में बदलाव करती रही है। उत्पाद शुल्क का मतलब है कि वह पैसा सीधे केंद्र सरकार के खजाने में जाएगा। तेल कंपनियां कब तक यह बोझ वहन कर पाएंगी, कहना मुश्किल है।

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क को लेकर पहले से

विपक्षी दल सवाल उठाते रहे हैं कि आखिर सरकार इतना भारी शुल्क किस आधार पर लगाती है। इस वक्त कई राज्यों में पेट्रोल की कीमत सौ रुपया प्रति लीटर से ऊपर है। डीजल सौ रुपए के आसपास है। मगर केंद्र सरकार का तर्क है कि इस वक्त जब वैश्विक आर्थिक स्थितियां डांवाडोल हैं, इससे सरकार को अपना राजस्व जुटाने में मदद मिलेगी। हालांकि दस वर्ष पहले जब उत्पाद शुल्क में ब?ोतरी की गई थी, तो तर्क दिया गया था कि इस पैसे से संकट के वक्त के लिए तेल भंडार जमा किया जाएगा। उसके बाद लगातार उत्पाद शुल्क बढ़ाया जाता रहा।

लोकसभा, उत्तर प्रदेश विधानसभा जैसे चुनावों के वक्त जरूर सरकार ने उत्पाद शुल्क कुछ घटा दिए थे। मगर फिर उसने बढ़ा दिया है। सरकार इस बात से अनजान नहीं कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई भी बढ़ जाती है। सरकार पहले ही महंगाई से पार पाने में नाकाम साबित हो रही है, उसके बावजूद उसे इस तरह अपना खजाना भरना ज्यादा जरूरी जान पड़ा है, तो जाहिर है, वह महंगाई को लेकर बहुत चिंतित नहीं है। पहले तेल की कीमतों का निर्धारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के अनुसार होता था, पर सरकार ने उस नियम को बदल दिया।

राजस्व जुटाने के लिए सरकार को नए रास्ते तलाशने ही पड़ते हैं, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे ही मदों में बार-बार बढ़ोतरी की जाए, जिसका बोझ उठाना पहले से नागरिकों को भारी पड़ रहा हो। तेल और रसोई गैस की कीमतें पहले ही लोगों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। महंगाई से पार पाना कठिन बना हुआ है। महंगाई की तुलना में लोगों की आय में ब?ोतरी नहीं हुई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें ब?ने से केवल लोगों के निजी खर्च नहीं बढ़ते, माल ढुलाई आदि का खर्च भी ब?ता है, जिसका असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ता है। बढ़ी मुश्किल से विनिर्माण क्षेत्र कुछ ऊपर उठने का प्रयास कर रहा है, उसमें यह नई मार उसे परेशान कर सकती है। सरकार जब तक तेल की कीमतों को लेकर कोई व्यावहारिक नीति नहीं बनाती, तब तक यह समस्या सिर उठाती रहेगी।

इन्हें तो कठोर सजा दीजिए

राकेश दुबे

निश्चित ही उन लोगों को कठोर सजा मिलना चाहिए। जिनकी लापरवाही से किसानों के खून-पसीने से उपजी और कर दाता के धन से खरीदी गई लाखों टन उपज बर्बाद हो गई। सोचिए जिस देश में करोड़ों लोग कुपोषण व खाद्यान्न की किल्लत से जूझ रहे हों, उसके सिर्फ एक राज्य में ही, चार साल में 8191 मीट्रिक टन अनाज सड़ जाए, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।

हमारा गैर-जिम्मेदार तंत्र व अदूरदर्शी नेतृत्व इसकी जवाबदेही से बच नहीं सकता। ये लापरवाही की अंतहीन शृंखला की दुर्भाग्यपूर्ण परिणति है। किसानों के खून-पसीने से उपजी और कर दाता के धन से खरीदी गई लाखों टन उपज का यूं बर्बाद होना बताता है कि हमारे तंत्र में प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कितने संवेदनहीन और गैर-जिम्मेदार हैं। चिंता की बात यह है कि पंजाब में साल-दर-साल बर्बाद होने वाले अनाज की मात्रा लगातार बढ़ती ही जा रही है। यानी इस संकट को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

चिंता की बात यह कि जहां वर्ष 2022-23 में जहां करीब 264 मीट्रिक टन अनाज खराब हुआ था, वहीं वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 29 गुना बढ़ गया बताया जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह आंकड़ा बढ़कर 7764 मीट्रिक टन हो गया बताया जाता है। जिस देश में तमाम लोग कुपोषण व भुखमरी का दंश झेलते हों, वहां ये आंकड़े शर्मशार करने वाले ही हैं।

एक आकलन के अनुसार इस बर्बाद हुए अनाज से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सोलह लाख लोगों का पेट भरा जा सकता था। बताया जाता है कि खाद्यान्न की बर्बादी के इस आंकड़े का उल्लेख उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की रिपोर्ट में किया गया है। निश्चित रूप से साल-दर-साल बढ़ती अन्न की बर्बादी हमारी लचर भंडारण क्षमता पर सवाल खड़े करती है।

हरित क्रांति की सफलता का पंजाब को भरपूर लाभ मिला। किसानों ने भी पूरे मनोयोग से कंधा से कंधा लगाकर सहयोग दिया। तत्कालीन सत्ताधीशों की सजगता व सक्रियता से यह क्रांति परवान चढ़ी। कालांतर में धरती सोना उगलने लगी। देश की खाद्य शृंखला को मजबूत बनाने में पंजाब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। राज्य के सत्ताधीशों ने इस बहुमूल्य खाद्यान्न को सहेजने में दूरदर्शिता नहीं दिखाई। यदि सरकार समय रहते बड़े पैमाने पर अनाज के गोदाम बनाती तो आज ये संकट पैदा नहीं होता। भंडारण संकट के चलते ही किसान भी फसल की कटाई के बाद तुरंत फसल बेचने मंडियों की तरफ दौड़ता है। जिसके चलते बिचौलिए व आढ़ती औने-पौने दाम पर किसानों को फसल बेचने के लिये मजबूर कर देते हैं। जिससे किसान को उसकी उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पाता। किसान आज जो कई तरह के संकट उचित दाम न मिल पाने के कारण झेल रहा है, उसके मूल में भी अनाज भंडार व्यवस्था की खामियां भी हैं।

? पंजाब में अनाज भंडार का जिम्मा संभालने वाले राज्य तंत्र तथा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लापरवाह अधिकारियों की इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। दरअसल, सख्त कार्रवाई के अभाव में अधिकारी अपने गंभीर दायित्व के प्रति भी उदासीन बने रहते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि छोटी-मोटी कार्रवाई के बाद भी साफ बच जाएंगे। निस्संदेह, अनाज की बर्बादी पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी।

ट्रम्प का टैरिफ' ईर्ष्या से आया ख्याल, अब दुनिया है बेहाल..!

ऋतुपर्ण दवे

ट्रम्प के मन में टैरिफ को लेकर आया विचार एकाएक नहीं है। उनके व्यवसाय को जापानियों से मिली चुनौतियों के चलते 1990 के दशक में की घटना है जिससे क्रुध्द ट्रम्प आज पलटवार कर रहे हैं। यह अर्से से उनके मन में पाला हुआ मंसूबा है। वास्तव में ट्रम्प के मन में जापानियों की प्रतिभा को लेकर पनपा ईर्ष्याभाव ही आज उनके टैरिफ की असल वजह है। वो मानते हैं कि जब मुक्त व्यापार अस्तित्व में नहीं था तब जापान, अमेरिका के बाजार में जबरदस्त पैठ बना रहा था। लेकिन अपने यहां व्यापार करना असंभव सा कर दिया था। बस यही टीस बिजनेसमैन ट्रम्प को घर कर गई और उनके मन में एक गांठ बन गई। हालांकि उसी दौर में उन्हें नगदी की जबरदस्त जरूरत हुई और मजबूरन जापान की ओर आस भरी निगाहों से देखने लगे। लेकिन ट्रम्प 1980 के दशक से ही इस बात से बखूबी वाकिफ थे कि मशहूर जापानी निवेशक रॉकफेलर अमेरिकी ब्रांड्स और संपत्तियों के अधिग्रहण का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे उनका नजरिया ऐसा बदला जो आज आयात पर टैरिफ के सच के रूप में सामने है। यहीं से उनके दिमाग में अमेरिका के राष्ट्रपति बनने का मंसूबा भी बना और वो लंबी रणनीतियों और विचारों को लोगों से सार्वजनिक मंच पर जाहिर भी करने लगे।

1987 में ट्रम्प की किताब ट्रंप- द आर्ट ऑफ द डील में अमेरिकी व्यवसाय पर उनकी विस्तृत सोच के साथ मंशा भी झलकती है। लोकप्रिय द ओपरा शो के होस्ट ओपरा विनफ्रे के साथ भी तभी एक लाइव कार्यक्रम में साफ-साफ कहना कि अमेरिकी विदेश व्यापार नीति को वो कैसे सबसे अलग तरीके से संभालेंगे और इससे अमेरिका के लिए सही कीमत वसूलेंगे उनका रणनीतिक शो था। इतना ही नहीं ट्रम्प ने अपने विचारों को एक खुली चिट्ठी के रूप में अमेरिका के सर्वाधिक लोकप्रिय तीन समाचार पत्रों में भी बतौर विज्ञापन प्रकाशित करवाया जिसमें उनके एक लाख डॉलर खर्च हुए थे। मतलब उनका नजरिया पहले ही साफ हो चुका था। लेकिन यह भूलना चाहिए कि उनकी सोच और वास्तविकता में तब और अब में काफी फर्क है। आज अमेरिका का सबसे बड़ा प्रतिद्वन्दी चीन है न कि जापान। 1990 के दशक के युवा रियल एस्टेट डेवलपर ट्रम्प की सोच आज भी वही है जबकि समय के साथ काफी कुछ बदल गया है। लेकिन ट्रम्प हैं कि मानते नहीं। बतौर राष्ट्रपति और व्यवसायी ऐसी सोच अंतर्राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हो सकती है। जैसा कि झलक रहा है इससे अमेरिका में विदेशी व्यापारिक निवेश घटेगा जिसका अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन पर भी असर पड़ेगा।

सौ देशों की अमेरिकी डिस्काउंटेड रेसिप्रोकल टैरिफ वाली सूची में भारत भी शामिल है जिस पर 26 प्रतिशत टैरिफ है जो कई एशियाई देशों की तुलना में कम है। भले ही भारत पर इसका प्रभाव अभी कम पड़े। लेकिन भविष्य को लेकर कोई गारंटी भी तो नहीं कि कब और कितना बढ़ जाए। इधर चीन ने भी अमेरिका पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया

है। जिस पर तिलमिलाए ट्रम्प ने 9 अप्रेल तक इसे वापस नहीं लेने पर 50 प्रतिशदत टैरिफ की धमकी दे रहे हैं। अगर अमेरिका अपने हिसाब से चलने की जिद करेगा तो चीन भी आखिर तक लगेगा।

इधर ब्लू मबर्ग की हालिया सूची बताती है कि ट्रंप के करीबी मस्कग की कुल नेटवर्थ 300 अरब डॉलर के नीचे चली गई है। जनवरी 2025 से अब तक 135 अरब डॉलर यानी करीब 12 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठा चुके हैं। इसी सोमवार को अमेरिकी बाजार में आई गिरावट से मस्क़ को करीब 40 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ जबकि बीते हफ्ते दो दिन में ही मस्क के 31 अरब डॉलर डूब गए। इस तरफ ट्रम्प के अघोषित टैरिफ वार से विश्व में सबसे नुकसान उठाने वालों की सूची में मस्क 6वें क्रम पर आ चुके हैं। कुल मिलाकार आसार अच्छे नहीं है।

नए बजट में ग्रामीण विकास के लिए 1,88,754 करोड़ तथा किसान कल्याण के लिए बीते बरस की तुलना में 11 प्रतिशत ज्यादा यानी 1.71 लाख करोड़ रुपयों का बजट में प्रावधान बताता है कि हमारी अपने आर्थिक मोर्चों पर कैसी तैयारी है।

भले ही 2 अप्रैल 2025 को ट्रम्प ने अमेरिका का मुक्ति दिवस बता रहे हों। लेकिन जिस तरह से दुनिया भर के शेयर बाजार धराशायी हुए, उससे कुछ अलग ही समझ आ रहा है। ट्रम्प भले ही कहें कि हमारे करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है। लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने वाला आदेश उनकी ईर्ष्या, खीझ और अजीब दूरगामी सोच ही दर्शाता है।

अब अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर यूरोपीय यूनियने के टैरिफ के लिए 9 अप्रैल का इंतजार करना होगा, जिस पर मतदान होना है। यदि यह भी जस का तस जैसे रहा तो आसार और बिगड़ सकते हैं। पहले ही दुनिया भर के शेयर बाजार धड़ाम हो चुके हैं। खुद अमेरिका भी इसी से अछूता नहीं है।

ट्रम्प का अमेरिका में ही विरोध होने लगा है। उन्हे न केवल तानाशाह बल्कि अर्थव्यवस्था को तहस-नहस करने वाला सनकी तक कहा जाने लगा है। सभी 50 राज्यों में 150 संगठनों 1200 से ज्यादा प्रदर्शनों में हजारों का जुटना बताता है कि चिंता कितनी गंभीर है। हैंड्स ऑफ नाम के इस प्रदर्शन में शनिवार को हजारों लोग जुटे। 2017 में महिला मार्च और 2020 में ब्लैक लाइव्स आन्दोलन के बाद ट्रंप का ऐसा भारी विरोध हो रहा है। असल में एलन मस्क का दखल भी अमरीकियों को पसंद नहीं आ रहा है। उन पर नौकरी में छंटनियों के मंसूबों सहित सत्ता हथियाने जैसे गंभीर आरोप लग रहे हैं। इधर भारत और खुद अमरीका सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में आज खुलते ही जबरदस्त तो कहीं ऐतिहासिक गिरावट देखी जा रही है। निश्चित रूप से शुभ संकेत नहीं है

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail–com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

अभ्यास कॅरियर इंस्टीट्यूट ने नीट में चयनित विद्यार्थियों का विजयोत्सव मनाया

रतलाम । अभ्यास करियर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉक्टर राकेश कुमावत ने बताया कि रतलाम के बडबड रोड़ स्थित जानकी मंडप में अभ्यास करियर इंस्टीट्यूट ने नीट में चयनित विद्यार्थियों का विजयोत्सव मनाया। कार्यक्रम में वर्ष 2019 से 2024 तक के अभ्यास से चयनित प्रशिक्षु चिकित्सकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जैसे-जैसे छात्र अपने परिवार के साथ मंच पर पहुंच रहे थे नजारा देखने लायक था । परिजन गर्व के साथ अपने बच्चों को डॉक्टर बनते देख रही थे, उनके मन की खुशियां मौन होते हुए भी बहुत कुछ कह रही थी । अभ्यास संस्थान ने अपने अनूठे अंदाज में विभित्र मेडिकल कालेज में चयनित छात्रों को सम्मानित किया जिसमें छात्रों के अभिभावक के साथ उनके गुरूजन भी मौजूद थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ शादाब अहमद सिद्दिकी (असिस्टेंट कमिशनर आबकारी विभाग, रतलाम) व डॉ. गोपाल यादव (अध्यक्ष-इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, रतलाम) तथा विशिष्ट अतिथि वैभव उपाध्याय (डी सी एम आयी-रेलवे मंडल रतलाम) व डॉ. सोनी यादव (नेत्र रोग विशेषज्ञ, रतलाम) साथ ही संस्था के प्रमुख डॉक्टर राकेश कुमावत एवं निलीमा कुमावत मंचासीन रहे ।

नवरात्रि के बाद औबेदुल्लागंज में जवारों का विसर्जन संपन्न

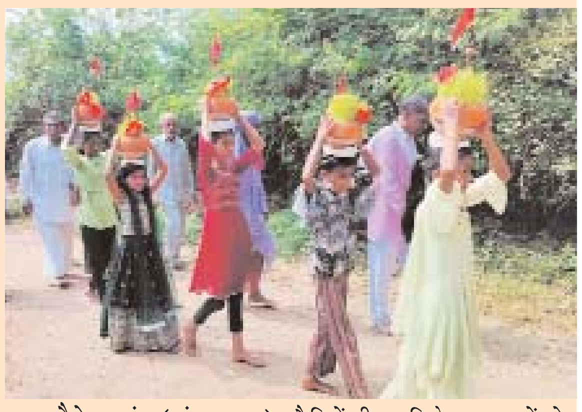

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। नौ दिनों की समाप्ति के बाद जवारों को विसर्जन किया गया। जवारों की एक विशेष तिथि और शुभ मुहूर्त और मन्त्रों से होती है। नवरात्रो के बाद सभी नगर वासियों एवं ग्रामीणों द्वारा मिलकर माता जी के नौ दिन बाद जवारों प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया तालाब में विर्जन किये गये। बता दें कि उक्त समय के दौरान ब?ी संख्या में श्रद्धालु विषर्जन स्थल पर एकत्रिक होकर जवारे विसर्जन करते हैं। अधिक संख्या में लोग एकत्रित होकर एक दूसरे को जवारें देकर बधाइयाँ देते हैं। बधाई देकर ब?ो से आशीर्वाद व छोटों को आशीर्वाद दिया जाता है। सभी घरों-घर जोवारों को ले जाकर बधाइयाँ देते हैं जिससे लोगों में भाईचारा व प्रेम ब?ता है वहीं, हिन्दू नववर्ष की शुरुवात के नौ दिन बाद जवारे वर्ष की बधाइयाँ दीं जाती हैं। लोधी मोहल्ला रेलवे ब्रिज के ऊपर से होते हुए अर्जुन नगर से खे?पति माता मंदिर तालाब में धूमधाम से विसर्जन किये गाये। ब?ी संख्या में महिलाएं, पुरुष व छोटे बच्चे जवारों में समह्लित हुए। हर्षिउल्लास के साथ विसर्जन कर एक दूसरे को बाधाइयाँ दीं गईं।

एमपी में हेड कॉन्स्टेबल को पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट, शव फेंकने ले जा रहे थे आरोपी

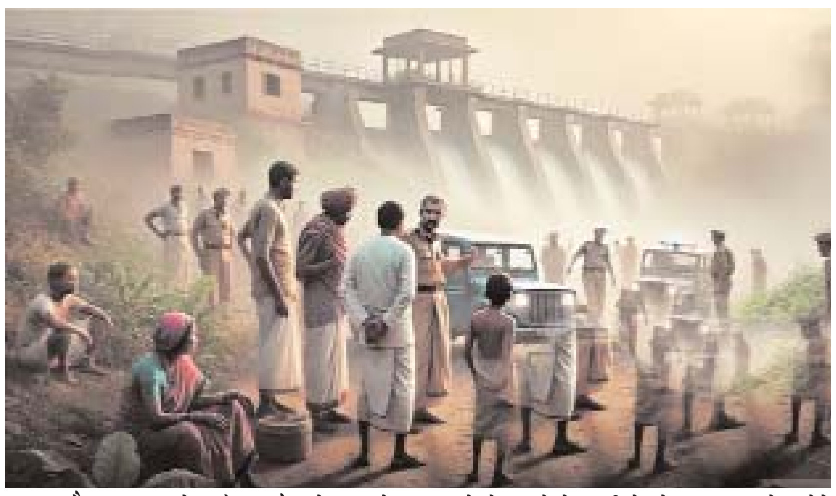

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक हेड कॉन्स्टेबल की हत्या का मामला सामने आया है। गुलाब सिंह (55) नामक हेड कॉन्स्टेबल को तीन आरोपियों ने बुरी तरह पीटा।

मध्य प्रदेश में एक बार फिर पुलिस पर हमले का मामला सामने आया है। घटना रतलाम के रिंगनोद थाना क्षेत्र में सोमवार को हुई। यहां प्रधान आरक्षक गुलाब सिंह पंवार की हत्या कर तीन युवक शव को डैम में ठिकाने लगाने ले जा रहे थे। ग्रामीणों को शक हुआ, तो उन्होंने शोर मचाकर पीछा किया और सभी आरोपियों को पकड़ लिया। लेकिन स्थानीय ग्रामीणों की सतर्कता से आरोपी पकड़े गए।

शव ठिकाने लगाने ले जा रहे थे

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह कुछ युवक एक शव को कार में लेकर रूपनिया डैम पहुंचे थे। इसी दौरान गांव के चौकीदार ने उन्हें संदिग्ध हालत में देख लिया, जिसके बाद आरोपी कार से भागने लगे। वे पास के गांव रणायरा गुर्जर होते हुए भाग रहे थे, तभी रास्ते में कार खराब हो गई। आरोपी कार छोड़कर भागने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। ग्रामीण जब कार के पास पहुंचे, तो उसमें एक व्यक्ति का शव मिला। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर हड़कंप मच गया।

देवास में पदस्थ थे आरक्षक गुलाब सिंह

मृतक की पहचान 32वीं बटालियन उज्जैन के प्रधान आरक्षक गुलाब सिंह पंवार (55) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में देवास में पदस्थ थे। वह मूल रूप से उज्जैन जिले की माकड़ोन तहसील के ग्राम डाबड़िया राजपूत निवासी थे।

पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया

घटना के बाद ग्रामीणों ने तीनों आरोपियों को एक स्थान पर बिठा दिया और भीड़ इकट्ठा हो गई। हंगामे के बीच एक आरोपी खुद को निर्दोष बताते हुए कहने लगा कि हमने नहीं मारा, चाकू गलती से लग गया। घटना की सूचना मिलते ही जावरा ग्रामीण क्षेत्र के एसडीओपी संदीप मालवीय और एसआई शिवेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपियों को हिरासत में लिया।

एसआई ने बोनट पर बैठकर समझाइश देकर शांत किया

ग्रामीणों के आक्रोश को शांत करने के लिए एक एसआई पुलिस जीप की बोनट पर बैठ गए और ग्रामीणों से अपील की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से ही आरोपी पकड़ में आए हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और पुलिस तीनों आरोपियों को लेकर रिंगनोद थाने रवाना हुई।

पूछताछ में महिला को लेकर विवाद की बात आई सामने

पुलिस ने बताया कि हेड कॉन्स्टेबल गुलाब सिंह 5 अप्रैल को छुट्टी लेकर गांव आया था। रविवार को वह सुबह खेत पर जाने का बोलकर निकला, लेकिन रात में घर नहीं पुहंचा। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि तीनों आरोपियों के साथ हेड कॉन्स्टेबल ने रात में पार्टी की थी। इसी दौरान विवाद हुआ जिसके बाद तीनों आरोपियों ने हेड कॉन्स्टेबल लाठी पत्थर से बेदम पीटा जिससे उनकी मौत हो गई।

एक आरोपी की पत्नी पर थी गलत नजर

जावरा एसडीओपी संतोष मालवीय ने बताया की मृतक हेड कांस्टेबल एक आरोपी की पत्नी पर बुरी नजर रखता था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसी बीच महिला के पति ने अपने दो और साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी। और शव ठिकाने ले जाते समय तीनों आरोपी ग्रामीणों के हत्थे चढ़े। घटना में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

विधायक भीमावद ने 60 लाख की लागत से बनने वाली सीसी सड़क का किया भूमि पूजन

स्थापना दिवस के कार्यक्रम में भी हुए शामिल

शाजापुर (बेरछा)। क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद ने स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर लागत 10 लाख, मेन रोड़ से जैन मंदिर तक लागत 12 लाख, बिरगोद रोड से अजा शांतिवन तक लागत 11 लाख रुपये सहित अन्य तीन सीसी रो? निर्माण लागत 60 लाख का भूमि पूजन किया गया। इस दौरान नवनिर्मित नाको?ा धाम जैन मंदिर पर विधायक अरुण भीमावद,मंडल अध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर,सरपंच प्रतिनिधि जेपी नाहर,डॉ सीपी नाहर, दिलीप चौधरी का पगड़ी पहनाकर समाजजनों ने मालाओं से स्वागत किया गया। इस क्रम में सरस्वती शिशु मंदिर परिवार द्वारा स्कूल परिसर में विधायक अरुण भीमावद का साफा बांधकर पुष्पमालाओं से स्वागत किया। श्री भीमावद ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में विकास के लिए प्रतिबद्ध है हम लगातार जमीनी स्तर पर विकास कर रहे हैं।

भाजपा ने स्थापना दिवस मनाया : बेरछा मंडल में आयोजित भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम में श्री भीमावद ने वर्तमान परिपेक्ष्य में देश को भाजपा के सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार मोदी जी के नेतृत्व में देश प्रगति कर रही है। आज पंच से प्रधानमंत्री तक भाजपा शीर्ष नेतृत्व में है। सभी कार्यकर्ताओं को संगठन की रीतिनीति को आमजन तक पहुचना चाहिए। इस दौरान मंडल अध्यक्ष राधेश्याम गुर्जर,सरपंच प्रतिनिधि जेपी नाहर,प्राचार्य अनिल शर्मा ,जुगल नाहर, डॉ.सीपी नाहर,सुरेश चंद्र जैन,सूर्य प्रकाश नाहर,व्यवस्थापक सतीश मंडलोई,विजय नाहर,मनोज राठौर सहित जनप्रतिनिधि ,भाजपा कार्यकर्ता आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.दिलीप चौधरी ने किया तथा आभार प्रदर्शन जेपी नाहर ने माना द्य

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति चिरापाटला में आमसभा आयोजित

समिति के पुनर्गठन को लेकर किसानों राय ली

सांध्य प्रकाश बैतूल। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित चिरापाटला द्वारा सोमवार को एक विशेष आमसभा का आयोजन किया गया। इस आमसभा का मुख्य उद्देश्य सहकारी समिति अधिनियम 1960 की धारा 16 के अंतर्गत समिति के पुनर्गठन को लेकर कृषकों से विस्तृत चर्चा करना था। आम सभा में समिति की प्रशासक श्रीमती पूनम सिंह, प्रबंधक श्रीमती पूजा सोलंकी एवं सहायक प्रबंधक रामदयाल यादव ने किसानों को समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया, उसके लाभ एवं संभावित बदलावों की जानकारी देते हुए उनके सुझावों को गंभीरता से सुना। सभा में किसानों ने अपनी समस्याएं, अपेक्षाएं और सुझाव प्रशासन के समक्ष रखे। उपस्थित अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि किसानों की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र यादव, समस्त विक्रेता गण नरेंद्र आर्य, दिनेश आर्य, मुकेश आर्य, कमलेश अखंडे, सुभाष धुर्वे, कृष्ण कुमार आर्य एवं फिरोज खान सहित बड़ी संख्या में किसान आमसभा में शामिल हुए।

यातयात सुचारू बनाने के लिए अवैध गुमठियों को हटाएं

पेयजल समस्या के निराकरण के लिए कलेक्टर एवं विधायकों की बैठक आयोजित

सांध्य प्रकाश बैतूल। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति संबंधी समस्या के समाधान तथा नगर में अवैध अतिक्रमण को हटाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ विधायकगणों की एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जानकारी दी कि जिले में कुल 96 ऐसे स्थान चिन्हित किए गए है। जहां पेयजल की गंभीर समस्या है। इन स्थानों पर शीघ्र ही बोरिंग कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। बोरिंग कार्यों को विभागीय, सांसद एवं विधायक निधि के माध्यम से कराया जाएगा, ताकि त्वरित समाधान हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जहां बोरिंग पर प्रतिबंध है उन क्षेत्रों के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। जिससे प्रतिबंध हटाकर राहत पहुंचाई जा सके।

विधायकों ने भी रखे सुझावः बैठक में विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ,भैंसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान,

मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख, घोड़ाडोंगरी विधायक गंगाबाई उईके ने समस्या ग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए अधिकारियों से चर्चा की और अपने सुझाव दिदिए

नल-जल योजनाओं के अधूरे काम होंगे पूरेः बैठक में कलेक्टर ने नल-जल योजना के अंतर्गत अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि जहां नल-जल योजनाएं बंद पड़ी है। वहां संबंधित ठेकेदारों के माध्यम से कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। ऐसे ठेकेदार जो अनावश्यक रूप से कार्य में विलंब कर रहे है। उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवैध अतिक्रमण पर कड़ा रूखः बैठक में नगर में अवैध अतिक्रमण पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नगर पालिका,राजस्व और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए 114 वैध गुमठियों के अतिरिक्त अन्य गुमठियों को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण से आमजन को परेशानी होती है। और यह नगर की सौंदर्यता को भी प्रभावित करता है। इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति पर विशेष ध्यान : ग्रामीण अंचलों में पेयजल संकट से निपटने के लिए कलेक्टर सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके लिए एक कंट्रोल रूम की के माध्यम से निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए, जिससे समय-समय पर जल आपूर्ति की स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके और किसी भी गांव में जल संकट उत्पन्न न हो।

विवेक शुक्ला मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के पुनः जिला अध्यक्ष निर्वाचित

मण्डला। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांत अध्यक्ष डॉ क्षत्रवीर सिंह राठौर व महामंत्री राकेश गुप्ता द्वारा जारी अधिसूचना के तहत मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई मंडला के 3 वर्षीय निर्वाचन मेघराज नगपुरे निर्वाचनअधिकारी बालाघाट व निर्वाचन पर्यवेक्षक विनोद कुमार सिंह शहडोल की गरिमामयी उपस्थित में स्थानीय शिक्षक सदन मंडला में संपन्न हुए।इस संबंध में पूर्व में जारी अधिसूचना के तहत संघ के निर्वाचन नियमावली व संविधान के तहत हुए।म.प्र.शिक्षक संघ के निर्वाचन में जिला संयोजक विवेक शुक्ला को पुनः सर्व सम्मति से निर्विरोध जिला अध्यक्ष बने।विवेक शुक्ला की कर्मठता, लग्नशीलता ,जुझारुपन,ऊर्जावान ,शिक्षक हितैषी कार्यों के चलते जिले भर से आए हुए ब्लॉक,तहसील पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति में निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।विवेक शुक्ला के जिला अध्यक्ष नियुक्त होने पर समूचे मंडला जिले के शिक्षा जगत ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें बधाई संप्रेषित की है।शिक्षक संघ के निर्वाचन में रेवाशंकर पांडे सचिव,घनश्याम चौरसिया कोषाध्यक्ष,श्रीमती शांति मरावी,विवेक कुमार साहू,अनिल कुमार मरकाम,अशोक कुमार राजपूत, रितु सिंगौर एवं उदयकांत अवस्थी उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए हैं।संघ के उपसचिव के रूप में प्रियदर्शन पटेल,नंदकिशोर मार्को,संतोष कुमार पटेल,अमित आनंद पांडे,श्रीमती निहारिका उइके ,धनीराम मरावी निर्वाचित हुए।मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राकेश शुक्ला,अमर कुमार सोनी,अमित श्रीवास्तव एवं गुलाब सिंह महोबिया को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।म.प्र.शिक्षक संघ के निर्वाचन को संपन्न कराने में आशीष तिवारी जिला अध्यक्ष जबलपुर,दामेंन्द मंदरेले बालाघाट,असीम गौतम प्रांत प्रमुख की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर मात् शक्तियों की भी उपस्थित देखने को मिली।इस अवसर पर इंद्रा सिंगरौरे,सुरेखा वैस,श्रीमती सी यादव ,शकुंतला तेकाम, आकांक्षा पांडे ,अरुणा साहू आदि शिक्षिकाऐं उपस्थिति रही।निर्वाचन के समय निवास विकासखंड से राकेशधर द्विवेदी,मुन्नालाल बरकड़े,नैनपुर विकासखंड से अजय सोनी,अशोक नामदेव,बब्बू दास बघेल, आदि उपस्थित थे।विकासखंड बिछिया से गजराज सिंह उइके, सुमेर सिंह धुर्वे ,तेजलाल राय, बीजाडांडी विकासखंड से रतन मसराम, बिना झरिया, रमेश पटेल की उपस्थिति रही।कार्यक्रम को सफल बनाने में योगेश चौरसिया,दिनेश दुबे,अखिलेश चंद्रौल,सोबत राम कुर्वती,रामकुमार पटेल, टीकाराम श्रीवास,घनश्याम सिंगौर, बृजेश डोंगरे आदि की अहम भूमिका रही। म.प्र.शिक्षक संघ के संपन्न हुए इन निर्वाचनों से मंडला जिले की शिक्षा जगत में अत्यंत हर्ष व्याप्त है।नवनिर्वाचित विवेक शुक्ला ने अपने जिला अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने पर समस्त शिक्षकों का आभार प्रदर्शित करते हुए सबके प्रति अपनी कृतज्ञता जाहिर की और विश्वास दिलाया कि वे शिक्षक हित में सदैव कार्य करते रहेंगे।

अर्जुन नगरवासियों ने मुक्तिधाम बनाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया

क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा से भी कर चुके हैं मुक्तिधाम की मांग

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। बरसों पुरानी मुक्तिधाम की मांग को लेकर सोमवार को फिर लोग हुए लामवंत अर्जुन नगर वासियों की बरसों पुरानी मांग की अर्जुन नगर में ही मुक्तिधाम के लिए भूमि आवंटित कर मुक्ति धाम बनाया जाए स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर किए ना ही कोई ध्यान नहीं दे रहा है इन्हीं सब बातों को लेकर सोमवार को मुक्तिधाम में ही हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया और पूरे नगर से इसमें हस्ताक्षर कर संबंधित अधिकारी को देकर अवगत कराया की अर्जुन नगर में जब किसी का स्वर्गवास हो जाता है तो उनको मुक्तिधाम ले जाने के लिए करीब तीन से चार किलोमीटर जाना पड़ता है जो काफी दूर है। इसी संबंध में कलेक्टर के नाम का ज्ञापन तहसीलदार निलेश सरवटे को देकर अवगत कराया अर्जुन नगर में वार्ड नंबर 11 से नपा अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे है एवं दो पार्षद भी भाजपा से हैं इन सबको भी अर्जुन नगर वासियों की यह समस्या मालूम है इसके बावजूद भी नपा अध्यक्ष होते हुए भी अर्जुन नगर के 10 ह?ार निवासियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जो हस्ताक्षर अभियान है वह पूरे नगर मे नगर परिषद को जगाने के लिए चलाया जा रहा है उसके पूर्व भी दो बार ज्ञापन दे चुके हैं आपको बता दे की क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा से भी अर्जुन नगर वासियों ने मुक्तिधाम की मांग कर चुके हैं लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है इस अवसर पर वचन लोधी, पूर्व पार्षद पदम चौहान, धर्मेंद्र चौरसिया, विनोद नामदेव, रवि शंकर राय, सुक्खा सिंह, मोनू मालवी, पप्पू मालवी आदि अर्जुन नगर वासी मौजूद थे

आरोपी फर्जी डॉक्टर नरेंद्र जॉन केम को गिरफ्तार कर दमोह लेकर पहुंची पुलिस

फर्जी डॉक्टर मामले में जांच के लिए पहुंची राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम, पीड़ितों के बयानों के साथ अस्पताल में की जांच

दमोह । शहर के चर्चित मिशन अस्पताल में फर्जी डॉक्टर के इलाज से हुई मौतों के मामले में सोमवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की तीन सदस्यीय टीम जांच के लिए दमोह पहुंची। जांच टीम ने सबसे पहले सर्किट हाउस में पीड़ति पक्षों को सुनकर उनके बयान दर्ज किए। पहले दिन तीन पीड़ति परिवार के सदस्यों ने अपने बयान जांच टीम के समक्ष दर्ज कराए हैं शेष पीड़ितों के बयान आज मंगलवार को दर्ज कराए जाएंगे। जांच के चलते पूरे दिन गहमा गहमी का माहौल रहा। टीम के सर्किट हाउस पहुंचने कर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, सीएमएचओ मुकेश जैन, शिकायतकर्ता अधिवक्ता दीपक तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन अस्पताल में देर शाम चलती रही जांच : दोपहर तक जांच टीम ने बयान दर्ज करने के बाद नरसिंहगढ़ स्थित रेस्ट हाउस में भोजन के लिए गई और वहां से लौटकर अन्य पीड़ितों के बयान दर्ज किए। इसके बाद शाम करीब 5 बजे टीम मिशन अस्पताल पहुंची जहां रात 9 बजे तक जांच जारी रही। इस दौरान जांच टीम ने अस्पताल स्टाफ के सदस्यों से एक एक करके पूछताछ की और इस दौरान अस्पताल से संबंधित रिकॉर्ड भी जांचे। जांच टीम के सदस्य करीब 4 घंटे तक अस्पताल का रिकॉर्ड खंगालते हुए स्टाफ के बयानों को दर्ज किया है। हालांकि सारे समय जांच टीम जांच से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा करने से बचते हुए जांच से जुड़ी जानकारियां दिल्ली से जारी होने का हवाला देती रही। इस दौरान सिर्फ कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ही मीडिया से रूबरू हुए जिन्होंने भी आयोग के समक्ष अपनी बात रखे जाने की ही बात कही लेकिन सीएमएचओ मुकेश जैन मीडिया के हर सवाल पर चुप्पी साधे रहे।

आरोपी डॉक्टर आया गिरफ्त में: दूसरी ओर महीनों से जारी इस जांच में टीम के आगमन के एक दिन पूर्व देर रात सीएमएचओ मुकेश जैन ने कोतवाली थाना पहुंचकर जांच प्रतिवेदन के आधार पर कोतवाली पुलिस में मामला दर्ज कराया। प्रतिवेदन रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर नरेन्द्र जान केम पर बीएनएस सहिता की विभिन्न धारा में प्रकरण पंजीबद किया था। आरोपी पर मामला दर्ज होने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी जिसके बाद सोमवार शाम उसे उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर उसे दमोह लाया जा रहा है और आरोपी के पास से इस मामले से जुड़े कई दस्तावेजों को भी जप्त किया गया है जिसे भी यहां लाया जा रहा है।

जांच उपरांत बढ़ेंगे जाएंगे आरोपी : प्रारंभिक जांच में नेरेन्द्र जान केम के द्वारा मध्यप्रदेश मेडीकल काउंसल में बिना पंजीयन के मिशन अस्पताल में एन्जियोग्राफी व एन्जियोप्लास्टी कर धोखाधड़ी करना तथा डाक्टर नरेन्द्र जान केम के मेडीकल दस्तावेज पर रजिस्ट्रेशन प्रदर्शित नहीं होना और उक्त रजिस्ट्रेशन प्रथम दृष्टया संदेहास्पद् प्रतीत होना साथ ही, मप्र मेडीकल काउंसिल में बिना पंजीयन के कोई भी चिकित्सा मध्यप्रदेश में अपनी सेवाएं नहीं देने के नियम होने के बाद भी इलाज में संलग्न होना सामने आया है।इस संबंध मे मिशन अस्पताल द्वारा कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये गये है, के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक दमोह को प्रतिवेदन भेजा गया है।

डिग्री पर भी प्रश्नः दूसरी और अब इस मामले में आरोपी डॉक्टर की चिकित्सा डिग्री भी फर्जी होना सामने आ रही है। दरअसल राष्टीय आयुर्विज्ञान। आयोग में आरोपी डॉक्टर नरेन्द्र जोन केम का पंजीयन क्रमांक 15608 बताया गया है, जबकि उक्त पंजीयन क्रमांक से आयोग की वेबसाइट पर सर्च करने में उक्त पंजीयन लाल मनी नामक महिला डॉक्टर का प्रदर्शित हो रहा है। ऐसे में यह आशंका उठ रही है कि सम्बन्धित डॉक्टर की चिकित्सीय डिग्री भी फर्जी है।

कैप्टन राजेश उन्नी को मिला भारत का सर्वोच्च मैरीटाइम सम्मान

मुंबई, एजेंसी। सिनर्जी मरीन ग्रुप के संस्थापक कैप्टन राजेश उन्नी को 5 अप्रैल, 2025 को आयोजित 62वें नैशनल मैरीटाइम डे समारोह के दौरान भारत सरकार द्वारा नैशनल मैरीटाइमवरुना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।यह समुद्री क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान है।यह पुरस्कार मुंबई में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शिपिंग महानिदेशक और नैशनल मैरीटाइम डे समारोह (सेंट्रल) समिति के चेयरमैन श्री श्याम जगन्नाथन(आईएएसअधिकारी) द्वारा भारत की समृद्ध और स्थायी समुद्री विरासत के सम्मान में आयोजित आधिकारिक समारोह के दौरान प्रदान किया गया। नैशनलमैरीटाइम वरुना पुरस्कार देश के समुद्री परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार प्रदान करने वाले निरंतरऔर असाधारण योगदान को मान्यता देता है।पूरी विनम्रता के साथ पुरस्कार स्वीकार करते हुएकैप्टन उन्नी ने अपनी यात्रा को याद किया और पूरी समुद्री बिरादरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, ''यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति के काम को नहीं दर्शाताबल्कि हर नाविक, सहकर्मी और मार्गदर्शक की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिन्होंने मेरे साथ इस सफर में कदम रखा है। मुझे शिपिंग उद्योग की सेवा करने का जो अवसर मिला, उसके लिए बहुत आभारी हूं,यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसने मुझे सब कुछ दिया- अवसर, आजीवन सीखने का मौका और दूसरों के जीवन में सार्थक योगदान देने का अवसर।यदि यह पुरस्कार कुछ युवाओं को समुद्री जीवन पर विचार करने के लिए प्रेरित करता हैया हमें याद दिलाता है कि जब हम साथ मिलकर काम करते हैं तो हम क्या हासिल कर सकते हैं, तो इसका सबसे बड़ा उद्देश्य पूरा है।'' उन्होंने आगे कहा,मुझे उम्मीद है कि हम एक ऐसे मैरीटाइम वर्ल्ड बनाना जारी रखेंगे जो मानव स्थायित्व को बढ़ावा देगा - जो समावेशी, सशक्त और उच्च मानकों पर आधारित होगा।

लॉयड ने लक्जूरिया कलेक्शन किया लॉन्च, बढ़ती मांग को पूरा करने निर्माण क्षमता में विस्तार

मुंबई, एजेंसी। हेवेल्स इंडिया की प्रमुख कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स ब्रांड लॉयड ने लक्ज़री कूलिंग सॉल्यूशन के अपने नए लाइनअप के साथ लॉयड लक्जूरिया कलेक्शन लॉन्च करके अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को एक नया लेवल दिया है। इस विस्तार में इनोविटिव स्टनएयर की शुरुआत और पहले से लोकप्रिय स्टेलर और स्टायलस मॉडलों का विस्तार शामिल है। इसके साथ ही, लॉयड प्रीमियम एयर कंडीशनर की श्रेणी को मज़बूत कर रहा है, जो हाई-एंड प्रोडक्ट की बढ़ती मांग का नतीजा है। इसके अलावा, उपभोक्ता बढती मांग को पूरा करने और पिछले वर्ष की सफल लॉन्चिंग को आगे बढ़ाने के लिए, लॉयड ने अपने घिलोथ और श्री सिटी प्लांट की संयुक्त निर्माण क्षमता को 3 मिलियन एसी प्रति वर्ष तक बढ़ा दिया है। लॉयड लक्जूरिया कलेक्शन शानदार क्राफ्टमैनशिप, इनोवेशन, एनर्जी एफिशिएंसी और बेहतरीन डिज़ाइन वाले एसी का संगम है। यह विस्तार प्रीमियम एयर कंडीशनिंग सॉल्यूशन्स की उपभोक्ताओं की बढती मांग से प्रेरित है। इस श्रेणी पर अपना ध्यान केंद्रित करके, लॉयड केवल अपेक्षाएं पूरी नहीं कर रहा, बल्कि कम्फर्ट और इनोवेशन के लेवल को भी ऊपर उठा रहा है, ऐसे ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है जो क्वालिटी, परफॉर्मेंस और स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं। लॉन्च के अवसर पर, हेवेल्स इंडिया लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर योगेश कुमार गुप्ता ने कहा, लॉयड हमेशा इनोवेशन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, और पिछले साल का हमारा लाइनअप बहुत अच्छा रहा था, जिसने प्रीमियम एसी बाजार में हमारी स्थिति को मज़बूत किया। इस अवसर पर बोलते हुएलॉयड के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट आलोक टिक्कूने कहा, लॉयड लक्ज़ूरिया कलेक्शन का लॉन्च हमारे लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

अमेजन डाट इन पर शानदार डील और ट्रीट के साथ बनाएं नेशनल पैट डे को और भी खास

बेंगलुरु, एजेंसी। इस साल नेशनल पैड डे पर, अमेजन डाट इन आपके सबसे प्यारे दोस्त को पैम्पर करना पहले से कहीं ज़्यादा आसान बना देगा। अमेजन ने आपके पैट के लिए 11 से 14 अप्रैल के बीच एक खास स्टोर पेश किया है। इस स्टोर में पैट के लिए जरूरी चीज़ों का बेहतरीन संग्रह पेश किया गया है। यहां आप एक ही जगह पर कई तरह के उत्पादों को देख सकते हैं, जिनकी मदद से आप आसानी से और सुविधाजनक रूप से अपने पैट की देखभाल कर सकेंगे। यहां पौष्टिक ट्रीट और मज़ेदार खिलौनों से लेकर प्रीमियम ग्रूमिंग प्रोडक्ट और उनकी रोजमर्रा की जरूरत के सामान तक सब कुछ उपलब्ध है। इस स्टोर पर पेडिग्री, ड्रूल्स, रॉयल कैनिन, मूची, फ़ार्मिना, हिमालया आदि जैसे टॉप ब्रांडों के प्रोडक्ट एक ही जगह पर उपलब्ध हैं। तेज और भरोसेमंद डिलीवरी के साथ, अपने पैट के लिए खरीदारी करना अब पहले से कहीं ज़्यादा मजेदार और सुविधाजनक हो गया है। ग्राहक अमेजन पे के साथ शानदार बचत का मजा भी उठा सकते हैं, साथ ही प्राइम मैंबर्स के लिए, हज़ारों पैट प्रोडक्ट पर सेम डे डिलीवरी का विकल्प मिलता है। जो उनकी खरीदारी को और भी आसान बना देती है। ग्राहक 5000 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ भी उठा सकते हैं। यहां आपके लिए हमारी ओर से कुछ बेहतरीन सिफारिशें पेश की गई हैं- क्यूपेट्स का यह इन्फ्लेटेबल वॉटर मैट बिल्लियों को एक ताज़गी भरा ठंडा अहसास देता है। यह गर्मियों के मौसम में शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह बेहद टिकाऊ एंटी-स्क्रैच पीवीसी से बना है, जिसकी मदद से यह लंबे समय तक चलता है।

ग्रामीण क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से 2024-25 में बिकीं 2.61 करोड़ से अधिक गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। यात्री और दोपहिया वाहन श्रेणी में ग्रामीण क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश के खुदरा बाजारों में बीते वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 2.61 करोड़ से ज्यादा गाड़ियां बिक गईं। यह 2023-24 में बिके कुल 2,45,58,437 वाहनों की तुलना में 6 फीसदी अधिक है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने सोमवार को कहा, 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई। हालांकि, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर के पंजीकरण में गिरावट रही। संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 2023-24 के 39,60,602 की तुलना में बीते वित्त वर्ष पांच फीसदी बढ़कर 41,53,432 इकाई पहुंच गई। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 2024-25 में सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 1,88,77,812 इकाई पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच फीसदी बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई। हालांकि, ट्रैक्टर की बिक्री एक फीसदी घटकर 8,92,410 इकाई रह गई। फाडा के अध्यक्ष सीएस विग्नेश्वर ने कहा, 2024-25 वास्तव में खुदरा वाहन क्षेत्र के लिए लचीला रहा। मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। उधर, यूरोपीय संघ ने भारत के साथ लंबित व्यापार समझौते के तहत कार आयात पर टैरिफ समाप्त करने की मांग की है। सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार वार्ता को अंतिम रूप देने के लिए अपने वर्तमान प्रस्ताव को और अधिक सरल बनाने को तैयार है। ुछ सप्ताह पहले अमेरिका ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों सहित कारों पर आयात शुल्क समाप्त करने की मांग की थी, जिससे घरेलू कार निर्माताओं पर दबाव बढ़ गया है। वाहन उद्योग और सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत टैरिफ को 100 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने के लिए तैयार है।

प्रदेश में बनेंगे 6 नए राष्ट्रीय राजमार्ग, केंद्रीय मंत्री गडकरी 10 को करेंगे भूमिपूजन

भोपाल। राजधानी भोपाल में मिसरोद से औबेदुल्लागंज के बीच 19.32 किमी लंबे फोरलेन को सिक्सलेन में बदलने की योजना बनाई गई है। इस परियोजना पर करीब 280 करोड़ रुपये खर्च होंगे, और इससे यातायात की गति में तेजी आएगी। यह परियोजना आने वाले समय में क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। वही उज्जैन में महाकाल मंदिर से रेलवे स्टेशन के बीच एक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह परियोजना पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए सुविधा प्रदान करेगी, जिससे मंदिर तक पहुंचने के रास्ते में जाम की समस्या कम होगी। मध्य प्रदेश में 6 नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण प्रस्तावित है, जो पूरे प्रदेश के सड़क नेटवर्क को मजबूत करेंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य परिवहन को बेहतर बनाना है, जिससे व्यापार और यातायात में आसानी होगी। प्रदेश सरकार ने इन सभी परियोजनाओं के प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के सामने रखने की योजना बनाई है। 10 अप्रैल को बदनावर में नितिन गडकरी इन परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इस अवसर पर 3502 करोड़ रुपये की 218 किमी लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग का उद्घाटन होगा और 2330 करोड़ रुपये की 110 किमी लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग का भूमिपूजन भी किया जाएगा।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की और इन परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी दिलवाने की दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केंद्र से संवाद कर इन परियोजनाओं की मंजूरी सुनिश्चित की जाए और निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए।

केंद्र को भेजे गए प्रस्ताव

सीएम ने केंद्र सरकार को निम्नलिखित प्रस्ताव भेजे हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं:- बदनावर-पेटलावद-थांदला फोरलेन (80 किमी, लागत 1500 करोड़ रुपये)। पूर्वी इंदौर बायपास मार्ग (77 किमी, लागत 3500 करोड़ रुपये)। रोड़ रुपये)। ग्वालियर-भिंड फोरलेन (96 किमी, लागत 3125 करोड़ रुपये)। सतना-चित्रकूट फोरलेन में उन्नयन (80 किमी, लागत 1500 करोड़ रुपये)। लखनादौन से रायपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे (200 किमी, लागत 5985 करोड़ रुपये)।

गुणवत्ता और परफॉर्मेंस गारंटी के साथ निर्माण हो

सीएम मोहन यादव ने परियोजनाओं के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का निर्माण जल्द और उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए, ताकि इनसे जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। इसके साथ ही भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों का समाधान भी शीघ्र किया जाए।

सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट जल्द होगा जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन सम्पन्न हो चुका है। सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों को अब रिजल्ट का इंतजार है। सीबीएसई 10 कक्षा का रिजल्ट 2025 आधिकारिक वेबसाइट cbseresults.nic.in और results.cbse.nic.in पर जारी किया जाएगा। रिजल्ट 2025 चेक करने के लिए परीक्षार्थियों को अपना रोल नंबर और जन्मतिथि डालकर लॉग इन करना होगा। सीबीएसई कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा 2025 का आयोजन 15 फरवरी से लेकर 18 मार्च 2025 तक किया गया था। सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा 2025 में करीब 24.12 लाख छात्रों ने भाग लिया है। सीबीएसई जल्द ही 10वीं बोर्ड परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी कर सकता है। स्टूडेंट्स अपना रिजल्ट डिजिलॉकर और उमंग ऐप से भी आसानी से चेक कर सकेंगे। सीबीएसई बोर्ड 10वीं रिजल्ट 2025 को आप डिजिलॉकर पर भी चेक कर सकेंगे। रिजल्ट चेक करने के लिए आपको स्द्गद्बद्यशष्द्म-द्दह्र.द्बठ्ठ पर जाना होगा। इसके बाद आपको लॉग इन करना होगा। इसके बाद आपको ष्टक्चस्श्व 10ह्लद्ध ऋद्गह्यह्वद्यह्ल सेक्शन में जाना होगा। इसके बाद आपको अपना रोल नंबर, स्कूल नंबर आदि डिटेल्स डालकर लॉग इन करना होगा। अब आपकी स्क्रीन पर आपका रिजल्ट ओपन हो जाएगा। सबसे पहले आपको प्लेस्टोर पर जाकर उमंग ऐप को डाउनलोड करना होगा। इसके बाद आपको अपने रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर से अकाउंट बनाना होगा। नतीजे घोषित होने के बाद ऐप पर रिजल्ट लिंक एक्टिव हो जाएगा। आपको लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको डिटेल्स डालकर सबमिट करना होगा। इसके बाद रिजल्ट आपकी स्क्रीन पर ओपन हो जाएगा।

भोपाल के बिट्टन मार्केट में वोकल फॉर लोकल स्वदेशी मेला स्वरोजगार को करता मजबूत

अहमदाबाद, गुजरात से आई नीलू जैन का स्टाल हैं, सबसे अलग

भोपाल। अखिल भारतीय स्वदेशी संघ की ओर से सात दिवसीय राष्ट्रीय स्वदेशी मेला बिट्टन मार्केट दशहरा मैदान पर सोमवार से शुरू हो चुका हैं। मेला दोपहर 2 से रात 11 बजे तक लोगों के भ्रमण एवं व्यापार के लिए खुला रहेगा। अहमदाबाद, गुजरात से नीलू जैन का भी स्वदेशी मेले में एक स्टाल लगा है, 80त्न शारीरिक रूप से विकलांग महिला होने के बाद भी नीलू आत्मनिर्भरता और सकारात्मकता के साथ मेहनत करती है। नीलू एक आर्टिज़न है और खुद के बनाए हुए हैंडवर्क सूट,कुर्ती और दुपट्टे का स्टाल मेले में लगाया है। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जी ने बताया कि इस प्रकार के राष्ट्रीय स्वदेशी मेला महोत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वोकल फॉर लोकल के अभियान के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। जिसकी सहायता से नीलू पिछले 3 वर्षों से अलग-अलग राज्यों में जाकर एग्जीबिशन में स्टॉल लगाती है और अपने प्रोडक्ट्स बेचती है। इससे पहले नीलू केवल ऑनलाइन सेल करती थी। फेसबुक और इंस्टाग्राम व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी नीलू के प्रोडक्ट्स उपलब्ध थे। अब वोकल फॉर लोकल स्वदेशी मेले से देश में ही स्वरोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और क्रेताओं से प्रत्यक्ष भेंट कर उनकी पसंद और मांग को समझने का भी अच्छा मौका मिल रहा है। मेले में गृह उद्योग , लघु उद्योग, स्टार्टअप, एमएसएमई, हस्तशिल्प, हथकरघा, भारतीय कंपनियों के यूनिक और लक्जरी उपभोक्ता वस्तुएं, गृहसज्जा के वस्त्र ,आदि के स्टॉल लगेंगे। मेले में जनसंपर्क, पुरातत्व, पर्यटन, संस्कृति, संपूर्ण प्राकृतिक खेती एवं सरकारी योजनाओं, इत्यादि पर आधारित अलग-अलग प्रदर्शनियां लोगों द्वारा पसन्द की जा रही है।

एफएलएलएस ने 9000 करोड़ की बड़ी बिकवाली की

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार से 9000 करोड़ रुपये निकाल लिए। डॉलर में यह रकम 1.04 बिलियन है। इस साल भारतीय शेयरों की यह दूसरी सबसे बड़ी बिकवाली है। इससे पहले, फरवरी के आखिर में एफएलएलएस ने 12,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेचे थे। साल 2025 में यह सबसे ज्यादा था। इस भारी बिकवाली की वजह से भारत के मुख्य शेयर बाजार सोमवार को 10 महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गए थे।

फ़ैबटेक टेक्नोलॉजीज़ क्लीनरूम ने केल्विन में हिस्सेदारी बढ़ाकर 51त्न की, बनाया अपनी सब्सिडियरी

मुंबई। क्लीनरूम सॉल्यूशंस में विशेषज्ञता रखने वाली बीएसई लिस्टेड फ़ैबटेक टेक्नोलॉजीज़ क्लीनरूम लिमिटेड ने घोषणा की कि उसने केल्विन एयर कंडीशनिंग × वेंटिलेशन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (केल्विन) में अपनी हिस्सेदारी एक-तिहाई से बढ़ाकर 51त्न कर दी है। इस एक्वीजीशन के साथ, केल्विन अब फ़ैक्टेक की सब्सिडियरी कंपनी बन गई है, जिससे दोनों कंपनियों के ऑपरेशंस और रिसोर्स में और मजबूती आएगी। यह कदम फ़ैबटेक की ग्रोथ स्ट्रेटेजी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य क्लीनरूम पर्यावरण के लिए आवश्यक हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीऐसी) क्षमताओं को मज़बूत बनाना है। फ़ैबटेक ने 2024 में केल्विन में एक-तिहाई हिस्सेदारी एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के रूप में हासिल की थी, ताकि वह अपने पोर्टफोलियो में एचवीऐसी विशेषज्ञता को शामिल कर सके। अब इस हिस्सेदारी को 51त्न तक बढ़ाकर, फ़ैबटेक अपने हाल ही में हुए आईपीओ के दौरान घोषित स्ट्रेटेजिक एक्वीजीशन प्लांस को एक्सीक्यूट कर रही है। मुंबई स्थित केल्विन एक टर्नकी सिस्टम इंटीग्रेटर कंपनी है जो फार्मास्युटिकल, बायोटेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक और कॉमर्शियल बिल्डिंग्स जैसे क्षेत्रों में अत्यंत महत्वपूर्ण एचवीऐसी एप्लिकेशन के लिए जानी जाती है। केल्विन को एक सब्सिडियरी कंपनी के रूप में शामिल करने से फ़ैबटेक को केल्विन की विशेषज्ञता का पूरा लाभ मिलेगा और यह कंपनी के मुख्य क्लीनरूम व्यवसाय के साथ बेहतर तालमेल बनाएगा। यह स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट फ़ैबटेक की लांग टर्म विज़न और कस्टमर सेंट्रिक ग्रोथ स्ट्रेटेजी से प्रेरित है और इसके माध्यम से कंपनी निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहती है- एचवीऐसी और क्लीनरूम इकोसिस्टम की पेशकश को माबूत बनाना- केल्विन के उन्नत एचवीऐसी सॉल्यूशंस के फ़ैबटेक के अंतर्गत आने से कंपनी अब अधिक इंटीग्रेटेड और कंप्रहेंसिव क्लीनरूम एनवायरनमेंट प्रदान कर सकेगी। इससे एयर हैंडलिंग और कांटामिनेशन कंट्रोल सिस्टम फ़ैबटेक की मॉड्यूलर क्लीनरूम स्ट्रक्चर के साथ बेहतर समन्वय में होंगी। यह ग्राहकों के लिए एक संपूर्ण समाधान प्रदान करेगा। मार्केट शेयर और रीच बढ़ाना- फ़ैबटेक और केल्विन की मिला कर कैपेसिटी कंपनी को एक बड़े कस्टमर बेस तक पहुँचने और बड़े प्रोजेक्ट्स को लेने में मदद करेंगी। फ़ैबटेक अब केल्विन के मौजूदा मार्केट्स और कस्टमर्स से लाभ उठाकर अपनी उपस्थिति सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टर्स में बढ़ा सकेगी। टर्नकी प्रोजेक्ट एक्सक्यूशन को बेहतर बनाना- केल्विन को फ़ैबटेक के अंतर्गत लाने से कंपनी की टर्नकी प्रोजेक्ट डिलीवरी क्षमता को मज़बूती मिलेगा। अब फ़ैबटेक क्लीनरूम प्रोजेक्ट्स की डिज़ाइन, एचवीऐसी सिस्टम की इंजीनियरिंग से लेकर साइट पर इंस्टॉलेशन और वैलिडेशन तक सभी महत्वपूर्ण कॉम्पोनेंट्स को इंटरनली मैनेज कर सकेगी, जिससे एफ़िशिएन्सी, क्वालिटी कंट्रोल और कस्टमर्स को वैल्यू डिलीवरी बेहतर होगा।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी टैब एस10 एफई सीरीज लॉन्च की, कीमत 42999

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी टैब एस10 एफई और गैलेक्सी टैब एस10 एफई+ लॉन्च करने की घोषणा की। ये टैबलेट्स प्रीमियम डिजाइन के साथ गैलेक्सी इकोसिस्टम में एंट्री का एक नया और शानदार मौका देते हैं। गैलेक्सी टैब एस10 एफई+ में अब तक की सबसे बड़ी स्क्रीन और पतले बेज़ल दिए गए हैं, जिससे इसका डिस्प्ले और भी बेहतर और इमर्सिव हो जाता है। यह डिवाइस मनोरंजन, पढ़ाई और रोजमर्रा के कामों के लिए शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस देता है। सैमसंग ने इसमें स्मार्ट फीचर्स जोड़े हैं, जिससे यूजर्स अपने काम को आसानी से और ज्यादा कुशलता से कर सकते हैं। साथ ही, इसका स्लिम डिजाइन इसे हल्का और पोर्टेबल बनाता है, ताकि आप चलते-फिरते भी अपनी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी बनाए रख सकें। सैमसंग इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा, सैमसंग में, हम सभी के लिए वर्ल्ड-क्लास इनोवेशन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और नई गैलेक्सी टैब एस10एफई सीरीज इसी विजन का एक शानदार उदाहरण है। पहली बार हमारे एफई टैबलेट्स में गैलेक्सी एआई क्षमताओं को शामिल किया गया है, जिससे हम एडवांस टेक्नोलॉजी को पहले से ज्यादा लोगों तक पहुंचा रहे हैं। गैलेक्सी टैब एस10एफई सीरीज से यूजर्स अपनी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी को नए स्तर पर ले जा सकेंगे, और इससे भारत के टैबलेट मार्केट में हमारी लीडरशिप और मजबूत होगी।

एलपीजी के दाम और पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ने के बाद उछलने लगे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने घरेलू एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर की कीमत मंगलवार से 50 प्रति सिलेंडर बढ़ाने का फैसला किया है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी 2 प्रति लीटर बढ़ाई जाएगी। इन दो फैसलों की वजह से भारत की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयरों में आज उछाल नजर आ रहा है। मंगलवार को एचपीसीएल, बीपीसीएल और इंडियन ऑयल के शेयरों में 3 पर्सेंट तक तेजी आई। पेट्रोल और डीजल पर ड्यूटी बढ़ने से सरकार को एक साल में 32,000 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। यह धनराशि केंद्र सरकार को जाएगी और इसका उपयोग वित्त वर्ष 2025 के लिए एलपीजी सब्सिडी देयता को पूरा करने के लिए किया जाएगा, जिसका अनुमान 41,338 करोड़ है। एलपीजी कीमत में वृद्धि से ओएमसी को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में, ये कंपनियां प्रति सिलेंडर 250 तक का नुकसान उठा रही हैं।

आईआईएफएल फाईनेंस द्वारा बॉन्ड्स जारी करके 500 करोड़ रुपये किए जाएंगे एकत्रित

मुंबई, एजेंसी। अग्रणी नॉन-बैंकिंग फाईनेंशल कंपनी, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड द्वारा 10.25 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के कूपन के साथ बॉन्ड्स के पब्लिक इश्यू द्वारा 500 करोड़ रुपये एकत्रित किए जाएंगे। एकत्रित किए गए फंड का उपयोग आगे ऋण देने, फाईनेंसिंग एवं सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इन एनसीडीज़ को क्राईसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग और आईसीआरए लिमिटेड द्वारा आईसीआरए एए स्टेबल रेटिंग दी गई है। इन रेटिंग्स के डिबेंचर्स को वित्तीय दायित्वों की समय पर सर्विसिंग के लिए काफी ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। इस तरह के डिबेंचर्स का क्रेडिट रिस्क काफी कम होता है। ये इश्यू सोमवार 7 अप्रैल, 2025 से मिलना शुरू होंगे और बुधवार, 23 अप्रैल, 2025 तक मिलेंगे।

आईआईएफएल फाईनेंस द्वारा 100 करोड़ रुपये तक के एनसीडी जारी किए जाएंगे। इनके साथ 400 करोड़ रुपये तक का ओवर-सब्सक्रिप्शन रखने का विकल्प होगा। ये दोनों मिलाकर 500 करोड़ रुपये तक हो जाएंगे। सीरीज़ प्ए के अंतर्गत एनसीडी 60 महीने की अवधि के लिए 10.24 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वोच्च प्रभावी यील्ड प्रदान करते हैं। ये एनसीडी 15 महीने, 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। ब्याज के भुगतान की फ्रीक्वेंसी मासिक, वार्षिक और संचयी आधार पर होती है। विवरण के लिए आईआईएफएल.कॉम पर क्लिक करें।

आईआईएफएल फाईनेंस आरबीआई के साथ रजिस्टर्ड एनबीएफसी-एमएल है, जो अपने उत्पादों द्वारा विभिन्न तरह के ग्राहकों की क्रेडिट की जरूरतों को पूरा करता है। आईआईएफएल फाईनेंस और इसकी सब्सिडियरी रिटेल एवं कॉर्पोरेट ग्राहकों को होम लोन, गोल्ड लोन, एमएसएमई सिक्योर्ड लोन, एमएसएमई अनसिक्योर्ड लोन, पर्सनल लोन, सप्लाई चेन फाईनेंस, माईक्रोफाईनेंस, कंस्ट्रक्शन एवं रियल ईस्टेट फाईनेंस और कैपिटल मार्केट फाईनेंस पेश करते हैं।

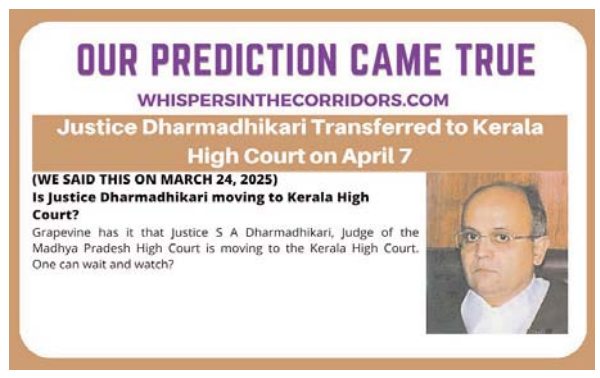

अंतर-राज्यीय ठगी का मास्टर माइंड गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। थाना कोतवाली छिन्दवाडा के अपराध क्र. 643/2024 धारा 420,201 भा.द.वि. के मामले मे दिनांक 29.09.2024 को को प्रार्थी तरुण तिवारी पिता रामनारायण तिवारी उम्र 38 साल निवासी तुलसी नगर चौरई हाल प्रोफेसर कालोनी छिन्दवाडा ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि इंटरनेश्वल कम्प्रेशिव केंसर केयर प्रोजेक्ट एवं बडी सामाज सेवी संस्था से अनुबंध कराने के नाम पर डाक्टर पिशुपति विश्वनाथ राव पिता बैकटेश्वर राव द्वारा उसके साथ ठगी एवं धोखाधडी कर 29 लाख 87 हजार 500/- रुपये एवं आन लाईन के माध्यम से लेकर धोखाधडी की गई है। आवेदक तरुण तिवारी ने धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियो के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की मांग। थाना प्रभारी कोतवाली उमेश कुमार गोल्हानी द्वारा तत्काल उनि. नारायण सिह बघेल के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम को आरोपी को पकड़ने के लिये अतर-राज्य रवाना की गई। पुलिस टीम के द्वारा हैदरबाद, विजयवाडा चैन्नई चित्तुर, तैलंगाना श्रीशेलम जाकर अलग अलग स्थानो पर दविस देकर आरोपी पिशुपति विश्वनाथ राव पिता बैकटेश्वर राव उम्र 52 साल निवासी राज श्री टावर फ्लोर न. 02 फ्लेट न. 04 थाना पेनामालूरु जिला कृष्णा आधप्रदेश को उसके सकुतन से पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपी के द्वारा अपना जुर्म काबुल किया गिरफ्तार आरोपी ङ्क पिशुपति विश्वनाथ राव पिता बैकटेश्वर राव उम्र 52 साल निवासी राज श्री टावर फ्लोर न. 02 फ्लेट न. 04 थाना पेनामालूरु जिला कृष्णा आधप्रदेश की गिरफ्तार किया गयाजप्त मशरूका में फर्जी आई.डी. कार्ड एवं प्रकरण से संबंधित दस्तावेज , मोबाइल फोन बैक स्टेटमेंट जप्त किया गया।

एमआरपी से अधिक दामों पर बिक रही है देसी, विदेशी शराब

ठेकेदारों ने एक निब में बढ़ाएं 20 से 25

छिंदवाड़ा। जिले में नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही शराब के ठेकों का पुनर्वितरण हुआ है। हालांकि चेहरे वही पुराने हैं, पर एरिया में बदलाव हुआ है। इसी के साथ ही एक नया 'सिंडिकेट सिस्टम' भी सामने आया है, जहां ठेकेदारों ने आपसी साठगांठ कर शराब कारोबार को मनमानी तरीके से संचालित करना शुरू कर दिया है। शहर भर और जिले में संचालित एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है, जिससे शराबप्रेमियों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है। शासन द्वारा तय न्यूनतम और अधिकतम मूल्य की अनदेखी करते हुए ठेकेदार मनचाहा रेट वसूल रहे हैं। नियमानुसार किसी भी सूरत में शराब की बिक्री निर्धारित अधिकतम मूल्य से अधिक पर नहीं होनी चाहिए, लेकिन जिले में नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

शिकायतें मिल रही हैं कि प्लेन शराब, जिसकी अधिकतम कीमत 75 रुपए पाव तय है, उसे 100 रुपए में बेचा जा रहा है। मसाला शराब का अधिकतम मूल्य 106 रुपए होते हुए भी उसे 120 रुपए में बेचा जा रहा है। वहीं, 150 रुपए एमआरपी वाली पावर बियर 200 रुपए तक में बिक रही है। इस ओवररेटिंग से परेशान होकरगरीब और निम्न वर्ग के लोग अब मिलावटी और गुणवत्ताहीन महुआ या कच्ची शराब की ओर रुख कर रहे हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक हो सकता है।

अंग्रेजी शराब भी एमआरपी से अधिक दाम पर बिक रही

जिले में सिर्फ देसी ही नहीं, बल्कि अंग्रेजी शराब भी निर्धारित अधिकतम मूल्य एमआरपी से ज्यादा कीमत पर बेची जा रही है। हर ब्रांड की शराब पर 20 से 25 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को भारी जेब ढीली करनी पड़ रही है। शराब दुकानों पर एमआरपी के ऊपर अतिरिक्त राशि वसूलना आम बात हो गई है, लेकिन इस अवैध वसूली पर रोक लगाने के लिए जिम्मेदार विभाग पूरी तरह मौन है। शराब विक्रेताओं द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की अवहेलना की जा रही है, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही।ग्राहकों का कहना है कि शराब की बोतलों पर स्पष्ट रूप से मूल्य अंकित होता है, लेकिन दुकानदार उसी बोतल को ज्यादा दाम में बेच रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, जिसकी एमआरपी 650 रुपये है, वह बोतल 670 से 700 रुपये तक में बेची जा रही है।शराब कारोबार में मचे इस अव्यवस्था के पीछे ठेकेदारों का आपसी साठगांठ वाला 'सिंडिकेट' माना जा रहा है, जो पूरे जिले में मनमानी कीमतों पर शराब बेच रहा है। इस लूट को रोकने के लिए विभागीय सख्ती बेहद जरूरी है, लेकिन फिलहाल प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में है।जनता ने मांग की है कि जिला प्रशासन और आबकारी विभाग तुरंत कार्रवाई करें और शराब बिक्री को एमआरपी के अनुसार नियमित किया जाए, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। प्रशासन को चाहिए कि इस पूरे सिंडिकेट सिस्टम की जांच कर कठोर कार्रवाई करे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित हो।

आईपीएल सट्टे पर बड़ी कार्रवाई पुलिस ने आईडी सहित लाखों का हिसाब किताब जब्त किया

छिंदवाड़ा । पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय द्वारा स्पष्ट निर्देश जारी किये गये है क्षेत्र में कोई भी विधि विरूध्द गतिविधियो के साथ क्रिकेट सट्टा पर प्रभावी कार्यवाही की जाये । निर्देश के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयूष गुप्ता के मार्गदर्शन मे एवं नगर पुलिस अधीक्षक छिन्दवाडा अजय राणा व थाना प्रभारी कोतवाली उमेश गोल्हानी के नेत्रत्व में कोतवाली पुलिस टीम द्वारा 6 अप्रैल की रात्रि में मुखबिर से सूचना प्राप्त कसस्टे पर कार्यवाही करते हुये एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर ऑनलाईन आईडी सहित मोबाईल फोन , 5000/- रुपये केस एवं हिसाब किताब जप्त कर आई पी एल क्रिकेट सट्टे पर प्रभावी कार्यवाही की गई ।

घटना की विश्वसनीय मुखबिर के द्वारा सूचना दी गयी की पोलाग्राउंड मे स्टेज के पास छिन्दवाडा मे उसके माबाईल से क्रिकेट सट्टा की मास्टर आईडी से लोगो को सट्टा खिलाकर अवैध लाभ अर्जित कर रहा है जिसके मोबाईल में सट्टा का हिसाब किताब है जो अभी पोलाग्राउंड स्टेज के पास बैठकर मोबाईल में हिसाब किताब देख रहा है । कार्यवाही हेतु सउनि ब्रिजेश रघुवंशी के नेत्रत्व मे टीम गठित कर हमराह स्टाफ एवं गवाहो को साथ लेकर मुखबिर के बताये स्थान पोलाग्राउंड पर सट्टा रेड कार्यवाही की गई जो योगेन्द्र गोहे पिता राजेन्द्र गोहे उम्र 28 साल निवासी ग्राम हिरदागढ थाना जुन्नारदेव छिन्दवाडा के हाथ मे एक मोबाईल फोन रियलमी 3 ब्लू रंग का मिला जिसमे ब्राउजर एप में क्रिकेट सट्टा आईडी खुली थी जिसमे क्रिकेट सट्टा का लेन देन का हिसाब था तथा मोबाईल एप मे क्रिकेट सट्टा के रन और भाव दिखाई दे रहे थे तथा फोन-पे के माध्यम से रूपये ट्रांसफर के हिसाब किताब दिखाई दे रहे थे । योगेन्द्र गोहे के मोबाईल में मिले क्रिकेट सट्टा की आईडी एवं हिसाब किताब के संबंध में पूछताछ पर उक्त क्रिकेट सट्टा की मास्टर आईडी आन लाईन प्राप्त की थी, आरोपी के पास से नगदी 5000/- रुपये एवं एक रियलमी का फोन जिस पर हिसाब किताब मिला जप्त किया गया । आरोपी के विरुद्ध धारा 4(क) म.प्र. पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया ।

नरवाई जलाना पड़ा महंगा चौरई थाने में मामला दर्ज

छिन्दवाड़ा। शासन के सख्त निर्देश हैं कि नरवाई में आग लगाने वालों पर रोक लगाई जाए और मना करने के बाद भी नरवाई जलाये जाने की घटनाएं देखने को मिलती हैं, तो सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए। इन निर्देशों के परिपालन के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री शीलेन्द्र सिंह द्वारा 21 मार्च 2025 को आदेश पारित कर छिंदवाड़ा जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा के खेतों में गेहूं, चना, कपास, एवं नरवाई में आग लगाया जाना प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अंतर्गत कार्यवाही किये जाने के लिये निर्देशित किया गया है। इन निर्देशों के परिपालन में नरवाई में आग लगाने के आरोप में फूलकुमार पिता नत्थू सनोडिया उम्र 60 साल निवासी सुरजना थाना चौरई के विरूध्द अप.क्र. 289/25 धारा 223, 287 भारतीय न्याय संहिता का प्रकरण पंजीबध्द किया गया है। थाना प्रभारी चौरई ने बताया कि नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए चौरई पुलिस ने ग्रामीण अंचलों में मुखबिर छोड़ रखे हैं, जो हर एक खबर पुलिस तक प्रेषित कर रहे हैं। विगत दिनों थाना चौरई क्षेत्र के अंतर्गत खेत में आग लगने की लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी और उसके खेत से आग आसपास के अन्य किसान आशीष शर्मा, विनय शर्मा, शिवा शर्मा, लक्ष्मण शर्मा के खेत में भी लग गई है। जिससे दो एकड़ गेहूं की फसल कीमत 125000 रूपये एवं अन्य किसानों के खेत में रखे प्लास्टिक के पाईप, तार जल गये हैं।

आदर्श ग्राम स्वामी सलैया में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ग्रामीणों को दिलाई गई शपथ

छिन्दवाडा । कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में विकासखंड हर्रई के आदर्श ग्राम स्वामी सलैया में ब्लॉक समन्वयक श्री आशीष नेमा के कुशल नेतृत्व में आज जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन करके ग्रामीणों को जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरुक किया गया एवं संगोष्ठी के बाद ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

इस कार्यक्रम में नवांकुर संस्था आदर्श ग्राम स्वामी सलैया के श्री दसमान शाह, नवांकुर संस्था बरूल के सर्वश्री शिव कुमार, धर्मराज, शिवदयाल, शिवनारायण, राजेश, गिरिजा प्रसाद वाडिया, भजन इनवाती, रवीन्द्र भलावी, सुरेन्द्र धुर्वे, बलराम वाडिया, संतोष सलाम, सतभान, आशीष, मौसम, दीपक वाडिया, प्रदीप, संदीप, सुनील, सीताराम, सुन्दर लाल, सनभान इनवाती, मिथिलेश, अखिलेश, राहुल डेहरिया, बृजेंद्र रजक, महेंद्र, दुर्गेश बाडीवा, नारायण, पवन विश्वकर्मा, सतीश डेहरिया, कमलेश, लक्ष्मण भलावी आदि उपस्थित थे।

सारनी लोनिया-खेरवानी के रास्ते ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से ओवर लोड अवैध रेत का परिवहन

खनिज विभाग और कलेक्टर को आम आदमी पार्टी ने दिया ज्ञापन

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल। विधान सभा सारनी के लोनिया-खेरवानी मार्ग से मुख्य मार्ग तक लगातार हो रहे अवैध रेत परिवहन को लेकर आम आदमी पार्टी ने प्रशासन की लापरवाही पर चिंता जतायी है। पार्टी के प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी ने कलेक्टर एस पी सहित जिला खनिज अधिकारी को अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। श्री सोनी ने बताया कि सारनी क्षेत्र में लोनिया-खेरवानी मार्ग से अनाधिकृत ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से ओवरलोड रेत का परिवहन धड़ल्ले से किया जाना जारी है। इन वाहनों का ना तो परिवहन विभाग का पंजीयन है। बल्कि आर टी ओ द्वारा जारी नंबर प्लेट भी नही लगी रहती। यह वाहन चालक बेखौफ होकर शासन-प्रशासन चकमा देकर परिवहन कर रहे है। अधिकारियों को प्रमाण तलाशने का मौका तक नहीं देते। उन्होंने ज्ञात कराया कि पिछले वर्ष 2024 में आम आदमी पार्टी ने 1 तारीख से 12 फरवरी तक लगातार 12 दिन प्रदर्शन किया था। जिसमें 7 दिन क्रमिक धरना और 5 दिन आमरण अनशन शामिल था। तब प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासनों पर आंदोलन स्थगित किया था। पश्चयात भी अवैध रेत परिवहन का लगातार सिलसिला जारी है। कहा कि बड़े शहरों में ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने पर ऑन लाइन चालान कट सकता है। उसी तरह अवैध रेत वाहनों पर चलानी कार्यवाही की जानी चाहिए। श्री सोनी ने कहा कि क्षेत्र के रेत माफियाओं के खिलाफ खनिज विभाग को गंभीर होने की जरुवत है। और संबंधित मार्गों पर सी सी टी वी कैमरे लगवाने की बात कही है।

परम डिस्ट्रीब्यूटर्स पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर बिना रॉयल्टी और डबल्यू आर रेत बेचने का आरोप मिडिया को बताया कि ठेका फर्म मेसर्स परम डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा इन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बिना रॉयल्टी एवं डबल्यू आर के कुछ हजार रुपये लेकर रेत बेच रहे है। जिससे शासन को राजस्व का भारी नुकसान है। ग्राम लोनिया, खसरा नंबर 179, रकबा 1.115 हेक्टेयर में रेत भंडारण किया जा रहा है। वहां मौके पर आप पार्टी को धरना प्रदर्शन करने की अनुमति तथा कार्यकर्ताओ की सुरक्षा व्यवस्था की मांग करी है। ज्ञापन के दौरान अध्यक्ष शैलेश वाईकर, विनोद जगताप, ललित देशमुख, शिबू विश्वकर्मा, प्रीतम भूमरकर, पप्पू साहू, मनोहर पचौरिया, देवीनाथ लोखंडे, अश्विन चंदेल गोपाल झ?ब?, संजय परपाचे, शमीम खान, भूपेंदर सिंग मुख्य रूप से मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम नांदना की बोर नदी में की गई साफ-सफाई

छिन्दवाडा । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आह्वान पर कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन में म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक श्री संजय बामने के कुशल मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड जुन्नारदेव के सेक्टर क्रमांक-4 की ग्राम पंचायत भरदी के ग्राम नांदना में पर्यटन स्थल स्थित पुल के पास बोर नदी पर आज श्रमदान कर साफ-सफाई की गई। जहां नदी से कचरा, पेड़ों से गिरे हुए पत्ते, पॉलीथीन एवं प्लास्टिक बोतलें और अन्य नुकसानदायक सामग्री की सफाई कर क्षेत्र को स्वच्छ करते हुए गाद को साफ़ किया गया। परामर्शदाता श्रीमती योगिता मर्सकोले ने बताया कि यह अभियान निरंतर चलाए जाने की जरूरत है, जिससे हम सभी मिलकर जल स्रोतों को साफ कर, संरक्षण कर सकते हैं। इस अवसर पर सभी ने जल संरक्षण की शपथ भी ली ।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं परामर्शदाता श्रीमती आयुषी मालवीय ने उपस्थित जनों को बताया कि भीषण गर्मी में जल का स्तर गिर जाने की वजह से पीने योग्य पानी की कमी रहती है। यदि हम प्राकृतिक जल स्त्रोतों एवं नदी नालों से मिलने वाला पानी, जिसका संरक्षण किया जाना चाहिए एवं समय रहते यदि हम जल को अभी से रोककर रखेंगे, तो आने वाले समय में संकट से बच पाएंगे। इसके लिए हम गांव का पानी गांव में रहे, की परिकल्पना को साकार करने, हमें बेकार बहने वाले नल के पानी को बचाने के लिए टोटी लगाएं जाने की आवश्यकता है। जगह-जगह पर सोखपीट का निर्माण कर, छत के पानी को सुरक्षित करने के उपाय पर पहल करने, गिरते जल स्तर को बचाने, अधिक से अधिक पेड़ लगाने, जन जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिये उपस्थित जनों से अपील की गई। इस कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सदस्य एवं परामर्शदाता श्रीमती योगिता मर्सकोले, श्रीमती स्वाति उईके, श्रीमती दर्शिता साहू, श्री धनोति यदुवंशी एवं बीएसडब्ल्यू अंतिम वर्ष के छात्र मुकेश बेलवंशी, अमन आरसे, अजय सिरसाम एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

गुजरात में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में तिवारी का दौरा

सांध्य प्रकाश इटारसी। अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मिलित होने

अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचे इटारसी के आंदोलनकारी , मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी जहां मौजूद सोमनाथ के विधायक विमल भाई चौदास्मा और गुजरात सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष (मुख्य संगठक) प्रगति अहीर ने उनका भव्य स्वागत किया। गुजरात के साबरमती तट पर होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के सभा स्थल कार्यक्रम का दौरा सेवादल राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई , राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणु गोपाल , गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह , गुजरात के पूर्व अध्यक्ष जगदीश भाई, गुजरात के ही पूर्व अध्यक्ष अमित भाई सहित प्रमुख एआईसीसी/सीडब्ल्यूसी मेंबर और गुजरात कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ कार्यक्रम स्थल की अंतिम रूप की तैयारीयों का जायजा लेने पहुंचे।

पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाई गई सड़क बनने के कुछ समय बाद ही उखड़ी

कटरा बायपास की बनी सड़क ने एक ही हफ्ते में दम तोड़ा

मण्डला/अजीत पटेल। जिले में लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए लापरवाही और खुल्लम-खुल्ला भ्रष्टाचार के कारनामों का चिठ्ठा आये दिन सामने आ रहे हैं।विगत दिनों मण्डला-जबलपुर प्रकाश हॉटल कटरा से बायपास के बीच पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़क मरम्मत निर्माण के दौरान बनाई गई सड़क विभाग में बैठे जिम्मेदारों की शिकार हो गया।उक्त सड़क निर्माण मामले पर किए गए नियम विरुद्ध लेयर मामले की बात लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री जी.एस. के समक्ष रखी गई थी और उन्होंने जिले में हल्की बारिश होने की बात कहकर सड़क निर्माण कार्य की जांच कराने की बात कहकर मामले को रफा-दफा कर दिया।

विगत दिनों कटरा से बायपास के बीच पीडब्ल्यूडी विभाग अंतर्गत उपयंत्री विशाल उइके की निगरानी में ठेकेदार महेश चौरसिया द्वारा यह मरम्मत निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग की नियमावली के विरुद्ध लेयर की मोटाई 1.5 के बीच रखकर रातों-रात निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया था,जिसमें सड़क निर्माण के दौरान स्टापर,वन-वे साइड ब्लाक,उपयोग की जा डामरीकरण एवं अन्य सामग्री की जांच रिपोर्ट तैयार नहीं किया गया था।

लोक निर्माण विभाग द्वारा भ्रष्टाचार का शिकार हुए उक्त सड़क मरम्मत निर्माण जिसे 31/03/2025 को रात में निर्मित किया गया है,रही बात कार्यपालन यंत्री जी.एस.भलावी द्वारा बारिश होने की बात कहकर दोषियों को संरक्षण प्रदान करने का तो यह स्पष्ट है कि लगभग तीन-चार महीनों से अधिक समय हो गया जिले में बारिश नहीं हुई है,वहीं कार्यपालन यंत्री श्री भलावी पीडब्ल्यूडी सड़क निर्माण की गुणवत्ता तथा की गई लापरवाही की जांच करने की बात कर रहे हैं जबकि पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री मण्डला श्री भलावी अपनी लापरवाहियों को लेकर पहले से चर्चा में बने हुए हैं,इसके पहले भी पत्रकारों ने भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा को उनकी लापरवाही तथा कार्यालय में अधिकांश अनुपस्थिति को लेकर अपनी बात रखी थी,परन्तु श्री जी.एस.भलावी जिले के सबसे बड़े नेता के रिश्तेदार हैं।जिसके चलते सत्ता दल के जिला अध्यक्ष ने भी पत्रकारों की दरखास्त को अनसुनी कर दिया।

पीडब्ल्यूडी ईई श्री भलावी घर में निपटा रहे शासकीय कार्य: जिले में लोक निर्माण विभाग की कुर्सी पर टाबल बिछाकर कार्यपालन यंत्री श्री भलावी के कक्ष के बाहर मिलने का समय की पर्ची चिपकाकर श्री भलावी के महिनों कार्यालय से गायब होने की बात जिले में चर्चा में बना हुआ है,वहीं कार्यालय के कर्मचारी भी अधिकारी की अनुपस्थिति में स्वयं के गायब होने का मौका सोने में सुहागा की बात है।विगत दिनों कुछ पत्रकारों ने उक्त कटरा-बायपास के बीच सड़क निर्माण में हुए लापरवाही और भ्रष्टाचारी को लेकर श्री भलावी से वर्जन लेने कार्यालय पहुंचे तो फोन लगाकर पूंछने पर स्वयं को दौरे पर होने की बात कही गई,फिर उनके आवास के सफाईकर्मी से पूंछा गया तो उन्होंने बताया कि साहब घर में ठेकेदार के साथ बैठे हैं,पत्रकार जब आवास पहुंचे तो उन्होंने स्पष्टकिया कि मैं कार्यालय में ज्यादा नहीं बैठता जो भी काम है मैं घर पर ही निपटा लेता हूं।

चुनरी यात्रा में शामिल हुए जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी

बीते 8 दिन से चुनरी पदयात्रा का हो रहा था आयोजन विशाल भंडारे के साथ हुआ समापन

चौरई। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर बिछुआ के साबर पानी से बैठकी के दिन से चुनरी पद यात्रा का आयोजन हुआ था इसके समापन अवसर पर जिले के सांसद विवेक बंटी साहू एवं भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव के साथ पूर्व जिलाध्यक्ष प रमेश दुबे जी, अजय दीपक सक्सेना जी जि प सदस्य लखन वर्मा जी जनपद अध्यक्ष राधेश्याम सरोज रघुवंशी जि प उपाध्याक्ष बबलू पटेल जिलाउपाध्यक्ष बंटी पटेल जि प सदस्य ऋषिजी वर्मा जी मण्डल अध्यक्ष नगर चौरई भाजपा मदन राय जी ग्रामीण विजेंद्र ठाकुर कुंडा मण्डल अध्यक्ष धर्म वर्मा भाजपा नेता विजय पांडे जी जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा संजय पटेल जी पी जी कॉलेज अध्यक्ष भारत घेई जी नगरपालिका चौरई अध्यक्ष पूर्णिमा जैन संजय सुकांत उपाध्यक्ष सरपत नायक जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा जी दान सिंह पटेल नपाअध्यक्ष चाँद वीरेंद पटेल परसोली अप्पू साहू विस्सू पटेल जितेंद्र पटेल डॉ रामनरेश गुड्डू पटेल सहित पंकज साहू ईश्वर पटेल सेवा भाई गोपाल भाई सहित ह?रो भक्तगण महाआरती मे शामिल हुए तथासभी भक्तो का महाप्रसादी भंडारा हुआ ।

यात्रा के संबंध में संयोजक जन सेवा अधिकार समिति के अध्यक्ष संदीप श्रीराम रघुवंशी ने मीडिया को चर्चा में बताया था कि यह यात्रा कोरोना काल से प्रारंभ हुई थी जिसका उद्देश्य क्षेत्र की खुशहाली सुख शांति एवं कृषि क्षेत्र में किसानों के आर्थिक लाभ के साथ स्वस्थ एवं खुशहाल क्षेत्र के उद्देश्य किया गया था जो बिछुआ क्षेत्र से प्रारंभ होकर चौरई के कपूरदा षष्ठी माता मंदिर तक पदयात्रा के रूप में आयोजित होती यह यात्रा आठ दिनों के अपने कम को पूरा करते हुए विभिन्न ग्रामों से होकर गुजरती है जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालु माता बहने बुजुर्ग सम्मिलित होकर गाजे बाजे एवं भगवान की भक्ति में संगीत करते हुए चुनरी लेकर पैदल निकलते है जिसमें प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य सुविधा के साथ अन्य व्यवस्थाएं की जाती है जिसका की समापन कपूरदा षष्ठी माता मंदिर में होगा ।

समापन अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाने के लिए जिले के जन प्रतिनिधि सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हो रहे हैं ।श्री संदीप रघुवंशी ने सभी पधारे अतिथियों का शाल श्रीफल से स्वागत किया तथा सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया तथा इस यात्रा मे कोई भूल चूक हुई हो तो हृदय से मा? करें और यात्रा के सहयोगी साथ चलने वाले भक्तजनों ग्राम द्वारा स्वागत करने वालो सभी का धन्यवाद किया

सांसद ने कोसमी -जाटाछापर के मंदिर में टेका माथा

सांसद ने की जिलेवासियों के लिए सुख समृध्दि की कामना

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने सोमवार को कोसमी के हनुमान मंदिर और जाटाछापर में स्थित बगलामुखी माता मंदिर में माथा टेककर विधि विधान से पूजा अर्चना की और जिलेवासियों के लिए सुख समृध्दि की कामना की। वहीं सांसद साहू भोकई में सिध्द बाबा मंदिर में आयोजित विशाल देवी जागरण में एवं भायदे कॉलोनी छिंदवा?ा में सोनी परिवार द्वारा आयोजित भंडारे में शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि रविवार की तरह सोमवार को भी सांसद बंटी विवेक साहू का एक अलग ही अंदाज लोगों को देखने को मिला। सोमवार को सांसद श्री साहू कोसमी और जाटाछापर में मंदिरों में माथा टेकने और पूजा अर्चना करने के लिए विशाल समूह के साथ बाइक से ही निकल प? थे। इस दौरान ब?ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक उनके साथ बाइक में ही चल रहे थे। कोसमी एवं जाटाछापर मंदिर पहुँचने पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों द्वारा सांसद श्री साहू का भव्य स्वागत किया गया। कोसमी और जाटाछापर में सांसद श्री साहू ने विधि विधान से पूजा अर्चना की।

यह रहे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित

कोसमी एवं जाटाछापर में मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय, विधानसभा प्रभारी श्रीमती ज्योति डेहरिया, वरिष्ठ भाजपा नेता राजू नरोटे, संतोष पटेल, अरविंद राजपूत, बिटटू मंडराह, रवि मालवी, जितेन्द्र राय, मोनू राय,मंडल अध्यक्ष बल्लू नागी, मनीष यादव, नवीन बारस्कर, धर्मेन्द्र पटेल, विश्वेन्द्र बैस, लकी पाल, शिवोम साहू, अखिल जैन, प्रथम ठाकुर, मुक्कू लालवानी, मोहित बुनकर, पंकज मोगिया, रूपेन्द्र डेहरिया, आशीष जयसवाल, रिंकू गोरखे, सेंकी नागी, लकी पटेल,सोनू पंडित, अंकुश मेहरा, राजकुमार सिंह, हरिशचंद्र अग्रवाल, सरबजीत सिंह सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बिठ्ठन मार्केट दशहरा मैदान में सात से तेरह अप्रैल तक राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव मेला का आयोजन किया गया। मेले के सात दिनों में प्रदर्शनी स्थल पर मध्यप्रदेश सहित आंध्र, तमिलनाडू, बनारस, गुजरात, असम और हिमाचल के हस्तशिल्प एवं महिलाओं के साड़ियां और कुर्तियां, सौंदर्य प्रशाधन, घरेलू उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर फूड आयटम, फर्नीचर, क्राकरी, हेंडलुम की लंबी सुंदर डिजाइन की रेंज एवं नवीनकृत सामग्रियां उपलब्ध है।

महापौर हेल्पलाइन 155304

भोपाल। स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महापौर हेल्पलाइन के तहत महापौर मालती राय ने प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर लाभार्थियों से फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर सभी समस्याओं को हल करने हेतु आदेशित किया।

आज से 230 विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने अपने स्थापना दिवस के साथ ही कई कार्यक्रम तय किए। 8 और 9 अप्रैल को प्रदेश की सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन आयोजित होंगे। इन सम्मेलनों में पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं को भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा किए गए बदलावों और संगठन की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी देगा। सम्मेलन का उद्देश्य पार्टी के सक्रिय सदस्यों को यह समझाना है कि बीते 11 वर्षों में भारत ने किस प्रकार विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और भाजपा की क्या भूमिका रही है। कैसे पार्टी ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया और उन्हें विधानसभा और लोकसभा चुनावों में मौका देकर जनप्रतिनिधि बनने का अवसर भी दिया। इसके साथ ही भाजपा के संगठनात्मक विस्तार, चुनावी रणनीति और बूथ स्तर तक सशक्त नेटवर्क के निर्माण पर भी चर्चा होगी। इससे पहले, रविवार और सोमवार को प्रदेशभर में प्राथमिक सदस्यों के सम्मेलन आयोजित किए गए।

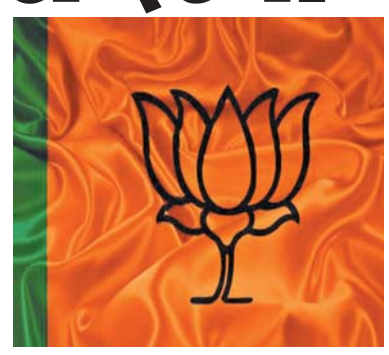

14 को संविधान का सामूहिक पाठ

13 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा कार्यकर्ता बाबा साहब की प्रतिमाओं की सफाई करेंगे। संध्या के समय दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया जाएगा, और सामूहिक पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। वहीं, 14 अप्रैल को भाजपा कार्यकर्ता संविधान का सामूहिक पाठ करेंगे।

गांव-बस्ती अभियान 12 अप्रैल तक

मध्य प्रदेश भाजपा ने सोमवार को गांव-बस्ती चलो अभियान की शुरुआत की। यह अभियान 12 अप्रैल तक चलेगा। इस अभियान के तहत जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता गांवों, मोहल्लों और सेवा बस्तियों का दौरा वन नेशन, वन इलेक्शन और केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी जनता को देंगे।

ब्यौहारी महाविद्यालय में दो छात्र गुटों में खूनी संघर्ष, दो घायल

शहडोल। जिले के ब्यौहारी महाविद्यालय में दो छात्र गुटों के बीच मारपीट का मामला सामने आया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लहूलुहान छात्र दिखाई दे रहे हैं। यह पूरा घटनाक्रम प्रिंसिपल कार्यालय के सामने हुआ है और घटना के समय प्रिंसिपल भी मौजूद थे। इसके बाद भी कोई बीच बचाव करने आगे नहीं आया, जब मारपीट की घटना समाप्त हो गई। तब प्रिंसिपल और अन्य शिक्षकों ने बीच बचाव

किया। तब तक छात्र लहूलुहान हो चुके थे। पंडित राम किशोर कला और वाणिज्य महाविद्यालय में दो छात्र संघों के बीच मारपीट की घटना हुई है। इस दौरान प्रिंसिपल के सामने ही छात्र संघ के नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई हुई, जिसमें छात्र घायल हो गए। मारपीट के बाद कॉलेज में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कालेज में छात्रों के बीच हुई मारपीट की घटना को वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल पर कैद कर लिया, जो अब सोसल मीडिया में तेजी से वायरल हो गई है।

प्रिंसिपल आर के तिवारी ने बताया कि कॉलेज में अपनी हुकूमत कायम रखने रखने को लेकर दो छात्र संघ के नेता कॉलेज में एक दूसरे पर टूट पड़े और दोनों के बीच हुई मारपीट में दोनों लहूलुहान हो गए, लेकिन एक छात्र को अधिक चोट आई। बताया जा रहा कि इस लड़ाई में छात्र संघ के नेता को गंभीर चोट आई है। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं जब कालेज में इस तरह के मारपीट की घटना हुई हो। अक्सर इस तरह के विवाद देखने को मिलता है, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है। कालेज में मारपीट की घटना का मामला थाने तक जा पहुंचा, कालेज के प्रिंसिपल ने मामले की शिकायत थाने में कराई है। ब्यौहारी पुलिस इस मामले की पड़ताल में जुट गई है। वहीं इस पूरे मामले में कॉलेज के प्रिंसिपल आर के तिवारी का कहना है कि दो छात्र नेता किसी बात को लेकर कॉलेज में मारपीट करने लगे मारपीट की मुख्य वजह अभी तक सामने नहीं आई है, मामले की शिकायत थाने में की गई है।

कलेक्टर के निर्देश, 1 मई से भोपाल कलेक्टर कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली होगी लागू

भोपाल। कलेक्टर कार्यालय में 1 मई से ई-ऑफिस प्रणाली लागू होगी। इस संबंध में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निर्देश दिए। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी अपने कार्यालय को ई-ऑफिस सेटअप तैयार कर लें। एक मई 2025 से कलेक्टर कार्यालय द्वारा ई-ऑफिस के अंतर्गत कार्य संचालित किया जाएगा। किसी भी फाइल की हार्ड कॉपी स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल, पटाखों की दुकान एवं अन्य संस्थानों का फायर ऑडिट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में समग्र आईडी को आधार से लिंक कराने के

कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही राजस्व अभियान अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री आरओआर लिंकिंग के कार्य को शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम को अवैध माईनिंग एवं अवैध कॉलोनियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एडीएम को एसडीएम कोर्ट एवं एसडीएम को तहसीलदार कोर्ट का निरीक्षण करने आदेशित किया गया।

शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा करने को कहा

टीएल बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए नाराजगी व्यक्त करते हुए 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा कर शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनभागीदारी के माध्यम से जिले की नदी, तालाब, जल संरचनाओं का संरक्षण एवं संवर्धन को गंभीरतापूर्वक लेते हुए समस्त संबंधित विभागों की आगामी एक महीने का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

6 ट्रैक्टर, 5 जेसीबी से 200 गार्ड्स ने नर्मदापुरम में 18 हेक्टेयर जमीन से हटाया अतिक्रमण

कार्रवाई का विरोध करने वालों को थाने ले गए

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में मंगलवार सुबह प्रशासन ने अतिक्रमण को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन 200 से ज्यादा फॉरेस्ट गार्ड, पुलिस जवान के साथ टीम ने सुबह करीब 7 बजे कार्रवाई शुरू की। 5 जेसीबी और 6 ट्रैक्टर से जैसे ही अतिक्रमण हटाना शुरू किया, लोग विरोध करने लगे तो पुलिस 4-5 लोगों को थाने ले गई। डीएफओ (डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर) मयंक सिंह गुर्जर ने बताया कि सोहागपुर रेंज में 18 हेक्टेयर जमीन पर 8 साल से कब्जा किया हुआ है। जमीन 2017 में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से विस्थापित हुए खामदा गांव के ग्रामीणों के लिए आवंटित है। यहां विस्थापितों ने मकान तो बना लिए, लेकिन उन्हें खेती के लिए जो भूमि दी थी, उस पर छिंदवाड़ा से आए कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया। टीम यहां पर फेंसिंग करने के साथ ही नाली बना रही है।

2019 से कब्जा कर खेती कर रहे

2019 से अतिक्रमणकारी यहां खेती कर रहे हैं। करोड़ों रुपए मूल्य की भूमि से कब्जा हटाने के नाम पर अभी तक औपचारिकता होती रही। सख्त आदेश के बाद वन विभाग ने कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए थे। लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद वन विभाग ने ये कार्रवाई की है।

जिलेभर की महिला वनरक्षक तैनात

अतिक्रमण हटाने के लिए जिलेभर से महिला वनरक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें एसडीएम नीता कोरी, एसडीओपी संजू चौहान, एसडीओ रचना शर्मा, रेंजर सुमित पांडे, माखननगर थाना प्रभारी हेमंत निशोद शामिल हैं।

पुलिस सात मौतों के आरोपी फर्जी डॉक्टर को प्रयागराज से पकड़कर दमोह लाई

दमोह। शहर के निजी मिशन अस्पताल में सात मरीजों की मौत के आरोपी डॉक्टर नरेंद्र जॉन केम को दमोह पुलिस ने सोमवार शाम प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस रात करीब 11.30 बजे आरोपी को लेकर दमोह पहुंची। आरोपी को पहले देहात थाने ले जाया गया। उसके बाद रात करीब 1 बजे आरोपी डॉक्टर को पूछताछ के लिए पुलिस कंट्रोल रूम ले गई। यहां खुद दमोह एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने देर रात तक आरोपी से पूछताछ की।

पुलिस ने आरोपी से मिली जानकारी से जुड़ा कोई भी खुलासा नहीं किया है। मंगलवार को पुलिस इस मामले में खुलासा कर सकती है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम दूसरे दिन मंगलवार को भी दमोह में रुकी है। सर्किट हाउस पर सुबह कुछ और मृतकों के परिजनों के बयान दर्ज किये। हालांकि मानव अधिकार आयोग की टीम के अधिकारी मीडिया के सामने कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी में दमोह साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। आरोपी को गिरफ्तार करने प्रयागराज पहुंची दमोह पुलिस के साथ साइबर टीम के सदस्य भी मौजूद थे।

प्यासे चीतों को पानी पिलाने वाले ड्राइवर को हटाया

कूनो प्रबंधन ने कहा- सुरक्षा नियम तोड़े, वीडियो वायरल किया; ट्रैकिंग टीम को भी नोटिस

श्योपुर। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों को पानी पिलाने वाले ड्राइवर सत्यनारायण गुर्जर उर्फ सत्तू को पार्क प्रबंधन ने हटा दिया है। साथ ही ट्रैकिंग टीम के प्रभारी और दूसरे सदस्यों को नियमों का उल्लंघन करने के लिए नोटिस जारी किया है। पार्क प्रबंधन की तरफ से कहा गया है कि ट्रैकिंग टीम को चीतों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की स्पेशल ट्रेनिंग दी

गई है। स्टाफ ने न केवल इसकी अवहेलना की बल्कि वीडियो बनाकर मीडिया में भी साझा कर दिया। यह नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। घटना 4 अप्रैल को सुबह की है। कूनो नेशनल पार्क की अगरा रेंज में चीता ज्वाला और उसके शावक मानव बस्ती के पास दिखाई दिए थे। उन्हें जंगल की ओर भेजने के लिए अतिरिक्त फील्ड स्टाफ को बुलाया गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात निजी ड्राइवर ने स्टील की परात में भरकर चीतों को पानी पिलाया। वह लंबे समय तक चीतों के पास ही खड़ा रहा। घटना का वीडियो भी सामने आया था। इसमें ज्वाला अपने चार शावकों के साथ पानी पीती दिख रही है।

चीतों को अंग्रेजी में आवाज दी थी- वीडियो में दिख रहा है कि ट्रैकिंग टीम में शामिल निजी ड्राइवर (चीता मित्र) सत्यनारायण केतली और परात लेकर पहुंचा। उसने परात में पानी भरा और शिकार के बाद आराम कर रहे चीतों को आवाज दी। चीतों को अंग्रेजी में %ष्ठह्लस्ख% कहकर बुलाया। आवाज सुनते ही ज्वाला और उसके चारों शावक फौरन वहां पहुंच गए और पानी पीने लगे। चीता फैमिली ने इससे ठीक पहले बकरियों का शिकार किया था।

गुजरात की पटाखा फैक्टरी के ठेकेदार को इंदौर से पकड़ा, मध्यप्रदेश से भेजता था मजदूर

इंदौर। गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्टरी के विस्फोट में पुलिस ने फैक्टरी मालिक को तो पकड़ लिया है, लेकिन उन्हें एक ठेकेदार की भी तलाश थी। गुजरात पुलिस को पता चला था कि वह इंदौर के बिजलपुर क्षेत्र में रहता है। उसे गुजरात पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया। इसके लिए इंदौर पुलिस ने भी मदद की। आरोपी काम हरीश पिता रामचंद्र मेघवानी है। जब पटाखा फैक्टरी में विस्फोट हुआ था, तब वह इंदौर में ही था, लेकिन फैक्टरी में हरीश ही मध्य प्रदेश से मजदूरों को भेजता था,जबकि उसे पता था कि फैक्टरी अवैध है। हरीश ने ही गोदाम के लिए स्थल को उपयुक्त बताया था। हरीश बिजलपुर क्षेत्र के ट्रेजर टाउन टाउनशिप

में रहता था। हरीश पटाखा फैक्टरी के लिए मजदूर उपलब्ध कराता था और आर्थिक लाभ कमाता था। वह इंदौर में रहता था और देवास और हरदा जिले में जिन मजदूरों को पटाखे बनाने का अनुभव था, उन्हें वह गुजरात भेजता था। बता दे कि गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के कारण 21 लोग जान गंवा चुके है और कुछ घायल भी है। इस मामले में पुलिस फैक्टरी मालिक खूबचंद मोहनानी और उसके बेटे दीपक को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके पास पटाखे बेचने का लाइसेंस था, लेकिन उन्होंने अवैध फैक्टरी खोलकर पटाखों का निर्माण शुरू कर दिया था।

प्रेस फोटोग्राफर रविन्द्र सिंह का निधन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फोटोग्राफर रविंद्र सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को असीम दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। राजधानी के वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर रविंद्र सिंह विक्की का आज तड़के 6.30 बजे निधन हो गया। रविंद्र सिंह को 9 अप्रैल को प्रातः 10.30 बजे छोला विश्राम घाट पर अंतिम विदाई दी जाएगी। वर्तमान में वे

दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि में कार्यरत थे। रविंद्र सिंह हार्ट अटैक के बाद ऑपरेशन के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती थे। उनका इलाज चल रहा था। वह 58 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से विदा हो गए है। 1984 में ट्रेन दुर्घटना में एक पैर गंवाने के बाद कुछ करने और जुनून के रहते प्रेस फोटोग्राफी के कार्य से समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले रविंद्र पिछले 25 वर्ष से प्रेस फोटोग्राफर का कार्य कर रहे थे। उनके छोटे भाई वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर पृथ्वीराज सिंह तथा पुत्र भूपेंद्र सिंह गोल्डी प्रेस फोटोग्राफर का कार्य कर रहे हैं। ज्ञातव्य रहे कि रविंद्र के पिता शहीद स्वर्गीय रघुवीर सिंह 1977 में मिलिट्री में आन ड्यूटी सेवा करते हुए देश पर कुर्बान हो गए थे।